

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...



वर्ष - 10 अंक 18, 10 अगस्त से 16 अगस्त 2025 मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8

हर बार टूटने के बाद भी ... अक्षरा सिंह ने शेयर किया क्रिटिक पोस्ट 3

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के 5 जेट गिराए:एयरफोर्स चीफ सर्विलांस एयरक्राफ्ट को भी तबाह किया; एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम गेम-चेंजर रहे

बेंगलुरु11 घंटे पहले

एयर फोर्स चीफ एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान गिराए गए थे। इसके अलावा एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया। यह सतह से हवा में टारगेट हिटिंग का अभी तक का रिकॉर्ड है।

एपी सिंह बेंगलुरु के HAL मैनेजमेंट अकादमी ऑडिटोरियम में एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे मेमोरियल लेक्चर के 16वें सेशन को संबोधित



कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार काम किया, पाकिस्तान हमारा एयर

डिफेंस सिस्टम नहीं भेद पाया। उन्होंने कहा, हाल ही में खरीदे गए एस-400 सिस्टम गेम-चेंजर रहे हैं। पाकिस्तान लंबी दूरी के ग्लाइड बम होने के बाद भी इनका इस्तेमाल नहीं कर पाया।

एयर फोर्स चीफ ने आगे कहा कि पाकिस्तान के बहावलपुर में हमले के पहले और बाद की तस्वीरें सबके सामने हैं। वहां कुछ नहीं बचा था। ये तस्वीरें न सिर्फ सैटेलाइट से ली गईं। बल्कि लोकल मीडिया ने भी तबाह हुई बिल्डिंग की अंदर की तस्वीरें दिखाई थीं। वहीं, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत के पाकिस्तानी

लड़ाकू विमानों को गिराने के दावे को झूठा बताया है। उन्होंने कहा कि भारत ने एक भी पाकिस्तानी विमान न ही गिराया और न ही नष्ट किया।

सेना को खुली छूट दी गई थी: सफलता का एक प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना था। हमें बहुत स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। हमें खुली छूट थी। हमने तय किया कि कितना आगे बढ़ना है। हमें योजना बनाने और उसे लागू करने की पूरी आजादी थी। तीनों सेनाओं के बीच कोऑर्डिनेशन था। CDS के पद ने वास्तव में अंतर पैदा किया। वह हमें एकसाथ लाने के लिए मौजूद थे।

90 घंटे की जंग में पाक पीछे हटा

यह एक उच्च तकनीक वाला युद्ध था। 80 से 90 घंटे के युद्ध में हम इतना नुकसान कर पाए कि उन्हें (पाकिस्तान) साफ पता चल गया था कि अगर वे इसे जारी रखेंगे तो उन्हें इसकी और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी इसलिए वे आगे आए और हमारे DGMO को संदेश भेजा कि वे बात करना चाहते हैं। हमारी ओर से इसे स्वीकार कर लिया गया।

बालाकोट के भूत से छुटकारा पाया

2019 में जब बालाकोट में हमने एयर स्ट्राइक की तो उसके सबूत नहीं जुटा पाए। लोगों ने सबाल उड़ाए कि हमने क्या किया या क्या नहीं किया। इसलिए मुझे बहुत खुशी है कि इस बार हम बालाकोट के उस भूत से निपटने में सक्षम थे और हम दुनिया को यह बताने में सक्षम थे कि हमने क्या हासिल किया है।

करीबियों ने कहा- और मारना चाहिए था

इस युद्ध में लोग अपने अहंकार पर उतर आए। एक बार जब हमने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया, तो हमें इसे रोकने के सभी अवसर तलाशने चाहिए थे। मेरे कुछ करीबी लोगों ने कहा, 'और मारना चाहिए था। लेकिन क्या युद्ध को जारी रखना सीधा होता... देश ने एक अच्छा निर्णय लिया।

ट्रंप के पूर्व एनएसए ने दी चेतावनी

भारत पर टैरिफ, अमेरिका की बड़ी भूल...होगा उल्टा असर

वाशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि ट्रम्प की नीतियों से भारत, अमेरिका से दूर होता जा रहा है। सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाने के फैसले को 'भारी भूल' बताया।

बोल्टन ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका, भारत को रूस और चीन से दूर रखने के लिए कई साल से कोशिश कर रहा था लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है।

पूर्व एनएसए ने कहा कि भारत पर टैरिफ लगाने का मकसद रूस को नुकसान पहुंचाना है, लेकिन नतीजा यह हो सकता है कि भारत, रूस और चीन एकजुट होकर इन टैरिफ का विरोध करें।

दोस्त-दुश्मन पर एक जैसा टैरिफ लगाना 'गलती'

ट्रंप ने इस सप्ताह भारत के ऊपर टैरिफ बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। ट्रंप की कोशिश भारत को उसके पुराने सहयोगी रूस से दूर करने की थी, लेकिन असलियत में उनके इस कदम ने नई दिल्ली और वाशिंगटन के 25 वर्षों में बने संबंधों में दरार पैदा कर दी है। बोल्टन बोले- भारत दोस्त है और चीन दुश्मन। दोस्त-दुश्मन पर एक जैसा टैरिफ लगाना 'गलती' जॉन बोल्टन ने पहले भी अमेरिकी अखबार द हिल में लिखा था कि क्लाइंट हाउस टैरिफ और अन्य शर्तों में चीन के प्रति भारत से ज्यादा नरमी दिखा रहा है, जो कि एक गंभीर गलती होगी।

हिंदुस्तान भारत हमसे दूर होकर चीन-रूस के पास जा रहा



बड़ा नुकसान का खतरा

उनके मुताबिक, 'दोस्त और दुश्मन दोनों पर एक समान टैरिफ लगाने से अमेरिका का वो भरोसा और आत्मविश्वास कमजोर हुआ है, जिसे बनाने में दशकों लगे थे, और बदले में बहुत कम आर्थिक फायदा मिला है, जबकि बड़े नुकसान का खतरा बढ़ गया है।

यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिखाया था ईपिक नंबर, साधा था निशाना

तेजस्वी ने सौंपे दो वोटर आईडी, चुनाव आयोग से पूछा, कैसे बने 2 एपिक नंबर

नई दिल्ली

राजद नेता मनोज झा ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव आयोग में बहुत अहंकार है। अहंकार और अज्ञानता चुनाव आयोग की पहचान बन गई है। चुनाव आयोग को फ़ैसला लेने से पहले अपने पूर्ववर्तियों को देखना चाहिए। वरना चीजें बांग्लादेश चुनाव आयोग की स्थिति जैसी दिशा में बढ़ रही हैं।

तेजस्वी ने 2 अगस्त को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि वोटर लिस्ट में उनका नाम ही नहीं है और ऐसे में वह चुनाव कैसे लड़ेंगे लेकिन चुनाव आयोग ने उनके दावे को खारिज कर दिया था और सबूत के साथ बताया था कि तेजस्वी यादव का नाम वोटर लिस्ट में 416वें नंबर पर है। इस तरह तेजस्वी के दो वोटर आईडी प्रकाश में आ गए थे।

आयोग ने कहा था- फर्जी

मामले के सामने आने के बाद आयोग ने तेजस्वी के पीसी वाले ईपिक नंबर को फर्जी करार देकर राजद नेता को नोटिस जारी कर दिया था। ईआरओ का कहना था, चुनाव आयोग के द्वारा इस ईपिक नंबर को कभी जारी ही नहीं किया गया। उसने कई सालों के चुनावी डेटाबेस से इस कार्ड का मैच किया लेकिन ईपिक कार्ड संख्या RAB2916120 चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में नहीं है। ईआरओ ने नोटिस में लिखा, 'ऐसा लगता है कि 2 अगस्त की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिखाया गया ईपिक नंबर RAB2916120 फर्जी है और जाली सरकारी दस्तावेज बनाना और उसका उपयोग करना कानूनी अपराध है।' नोटिस में कहा गया है कि आरजेडी नेता से यह अनुरोध है कि इस कार्ड को 16 अगस्त 2025 को शाम 5 बजे तक ईआरओ के कार्यालय में जमा कर दें।

राजद ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव आयोग में बहुत अहंकार है

इस ईपिक नंबर को आयोग फर्जी करार दिया था



चुनाव से पहले 334 दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इलेक्शन कमीशन ने बड़ा कदम उठाया है। चुनाव आयोग ने शनिवार को 334 राजनीतिक दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। सूची से हटाए गए दल चुनाव लड़ने के लिए अपने उम्मीदवार नहीं उतार सकते। आयोग ने बताया कि नैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं।

अब देश में 2520 राजनीतिक दल बचे

आयोग का दावा है कि इन सभी दलों के कार्यालय भी नहीं थे। ये दल सिर्फ कागजों पर चल रहे थे। साथ ही ये 2019 से 6 साल तक एक ही चुनाव लड़ने की अनिवार्य शर्त को पूरा नहीं कर सके थे, जबकि इसके लिए इन सभी दलों से कई बार कहा गया था। चुनाव आयोग के इस कदम के बाद अब देश में 2520 राजनीतिक दल बचे हैं। मौजूदा समय में 6 राष्ट्रीय दल और 67 राज्य स्तरीय दल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यह प्रक्रिया राजनीतिक व्यवस्था में सुधार और उन दलों को सूची से हटाने के उद्देश्य से की गई है जिन्होंने 2019 के बाद से किसी भी लोकसभा, राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा या उपचुनाव में भाग नहीं लिया है।

विवादित जमीन पर कॉरिडोर बनाने पर सहमति

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच चल रही 37 साल पुरानी जंग खत्म करा दी है। इसको लेकर वे पिछले कई दिनों से लगे हुए थे। शुक्रवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप ने दोनों देशों के नेताओं के साथ मुलाकात की थी। आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान और अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव व्हाइट हाउस में एक आधिकारिक शांति समझौते पर भी साइन किए।



ट्रंप ने आर्मेनिया-अजरबैजान की 37 साल पुरानी जंग खत्म कराई

6 देशों की लड़ाई रुकवाने का ट्रंप ने किया दावा : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने कार्यकाल की शुरुआत से ही रूस और यूक्रेन जंग रुकवाने की कोशिश में लगे हुए हैं। हालांकि इस काम में उन्हें सफलता मिलती नहीं दिखाई दे रही है। तो वहीं दूसरी तरफ वे अपने दूसरे कार्यकाल में 6 देशों के बीच जंग रुकवाने का दावा कर चुके हैं। इनमें भारत-पाकिस्तान, इजराइल-ईरान, थाईलैंड-कंबोडिया, रवांडा-कांगो, सर्बिया-कोसोवो और मिस्र-इथियोपिया विवाद सुलझाने की बात कही है।

'महाराष्ट्र में मिली थी 160 सीटें जिताने की गारंटी'

मुंबई

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर शनिवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले दो व्यक्तियों ने नई दिल्ली में उनसे मुलाकात की थी।

उन्होंने 288 में से 160 निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्ष की जीत की गारंटी दी थी। नागपुर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि उन्होंने दोनों व्यक्तियों को विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलवाया। शरद पवार ने यह खुलासा ऐसे समय में किया है, जब राहुल ने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री



शरद पवार का दावा, दो लोग मिले थे राहुल से मिलवाया था

ने दावा किया, 'महाराष्ट्र में 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले नई दिल्ली में दो लोग मुझसे मिले थे। उन्होंने विपक्ष (महा विकास आघाडी) को 288 में से 160 सीटें जीतने में मदद की गारंटी दी।' एनसीपी (एसपी) प्रमुख ने कहा, 'मैंने उन्हें राहुल गांधी से मिलवाया। उन्होंने (राहुल ने) उन दोनों व्यक्तियों ने जो कुछ भी कहा, उसे नजरअंदाज कर दिया।

भाजपा ने विधानसभा

चुनावों में 132 सीटें जीतीं

पवार ने दावा किया कि चूँकि दोनों व्यक्तियों ने जो कुछ भी कहा, उसे उन्होंने बहुत तवज्जी नहीं दी। इसलिए उन्होंने उनका नाम और संपर्क ब्योरा नहीं रखा। मालूम हो कि भाजपा ने विधानसभा चुनावों में 132 सीटें जीतीं, जबकि उसकी सहयोगी शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने क्रमशः 57 और 41 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत दर्ज की। विपक्षी गठबन्धन 'महा विकास आघाडी' ने अपनी हार के लिए ईवीएम में गड़बड़ी और डेटा में छेड़छाड़ को जिम्मेदार ठहराया था। महा विकास आघाडी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य की 48 में से 30 लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी।

बारिश के चलते 3 अगस्त को रोक दी गई थी यात्रा

छड़ी मुबारक अमरनाथ गुफा पहुंची, भक्तों ने किए अंतिम दर्शन

श्रीनगर

अमरनाथ यात्रा का समापन शनिवार को छड़ी मुबारक के पवित्र गुफा मंदिर पहुंचने के साथ हुआ। पारंपरिक तरीके से महंत दीपेंद्र गिरि की अगुआई में सैकड़ों साधुओं के साथ विशेष पूजा की गई, इसके बाद भक्तों को साल के अंतिम दर्शन कराए गए। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और भारी बारिश के कारण रास्ते खराब होने की वजह से 3 अगस्त से ही रोक दी गई थी। इस साल 4.10 लाख श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में दर्शन किए, जबकि पिछले साल 5.10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे।

पवित्र यात्रा का हुआ समापन

यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। इस दौरान सुबह बाबा अमरनाथ की पहली आरती की गई थी। इस बार यात्रा केवल 1 महीना ही चल पाई। यात्रा के दौरान लगभग 50,000 सीआरपीएफ जवान तैनात किए गए थे।



महादेव का प्रतीक है छड़ी मुबारक

छड़ी मुबारक को महादेव का प्रतीक माना जाता है और यह एक बेहद महत्वपूर्ण धार्मिक परंपरा से जुड़ी हुई है। इस चांदी की छड़ी को दिव्य और शक्तिशाली माना जाता है, क्योंकि मान्यता है कि इसमें भगवान शिव की अलौकिक शक्तियाँ विद्यमान हैं। कहा जाता है कि महर्षि कश्यप ने यह पवित्र छड़ी भगवान शिव को एक विशेष आदेश के साथ सौंपी थी- कि हर वर्ष इसे अमरनाथ लाया जाए। तभी से यह परंपरा चली आ रही है, और भक्त इस छड़ी को गहरी श्रद्धा और आस्था के साथ पूजते हैं।

गोंरको

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ द्विपक्षीय सैन्य-तकनीकी संबंधों और रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की। डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण बातों करने और इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की

यात्रा के मायने : डोभाल की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी करके रूस से तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इसके बाद कुल शुल्क 50 फीसदी हो गया है। सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया। पुतिन ने आभार के साथ निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

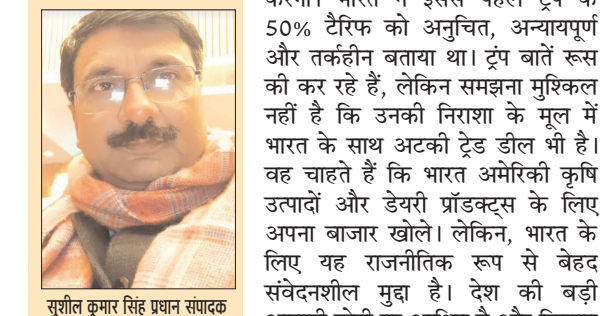
तैयारी के लिए रूस में हैं। भारत स्थित रूसी दूतावास के अनुसार, डोभाल और मंतुरोव की मुलाकात शुक्रवार को हुई। दूतावास ने एक पोस्ट में कहा, 'इस बैठक के दौरान भारत-रूस के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही असेन्य विमान निर्माण, धातु उद्योग और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने पर भी बातचीत हुई।

सम्पादकीय

अमेरिका को भारत का कड़ा संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने एमएस स्वामीनाथन शताब्दी सम्मेलन में अमेरिकी टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ को भारत ने अनुचित बताया है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के दबाव में है, जो राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अमेरिकी टैरिफ पर पहली प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50% टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था। ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन समझना मुश्किल नहीं है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी ट्रेड डील भी है।



शुशील कुमार सिंह प्रधान सलाहक

आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हैं। फिर वे सब्सिडाइज्ड अमेरिकी प्रॉडक्ट्स से होड़ नहीं कर सकते। पीएम मोदी ने अपने भाषण के जरिये भारत का यही पक्ष रखा है। हताशा में लिए फैसले। ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर नाकामी का ठीकरा फोड़ने के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूक्रेन युद्ध न रुकवा पाने की हताशा ट्रंप के फैसलों में झलक रही है। पहले उन्होंने चीन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब वहां से 'रेयर अर्थ मिनरल्स' के रूप में झटका लगा, तो भारत और रूस से अपनी बात मनवाना चाहते हैं। सच से दूर। ट्रंप का मानना है कि रूस तेल बेचकर युद्ध लड़ने के लिए संसाधन जुटा रहा है। हालांकि उन्होंने इस सच से आंखें मूंद ली हैं कि माँस्को का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार चीन है। और, भारत के अलावा यूरोपीय यूनियन और यहां तक कि खुद अमेरिका भी रूस से व्यापार जारी रखे हुए है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस व्यापार का पूरा डेटा सामने रखकर अमेरिका की पोल खोल दी थी। भारत अपनी रूसरत का 85% तेल आयात करता है। रूस से तेल खरीद घरेलू ही नहीं, ग्लोबल ऑयल मार्केट को भी स्थिर रखता है। अमेरिका की पिछली वाइडन सरकार ने भारत के रूस से तेल खरीदने की सराहना की थी क्योंकि उससे बाजार में स्थिरता बनी रही। लेकिन, ट्रंप इन सारी बातों को दरकिनार कर रहे हैं। खैर, इसी महीने अमेरिकी टीम व्यापार वार्ता के लिए भारत आ रही है। आशा है कि दोनों देश कोई रास्ता नकाराएंगे। लेकिन इसके साथ भारत को यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता जल्द करना चाहिए और अन्य देशों के साथ भी ऐसी डील करनी चाहिए ताकि देश का निर्यात लगातार बढ़ता रहे।

शशि की दृष्टि, प्रकाश की नीति: उत्तर प्रदेश प्रशासन में सुशासन की नई गति

प्रणय विक्रम सिंह

उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक परिदृश्य में मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल के रूप में एक नई संयमित सगमता का आगमन हुआ है। यह नियुक्ति मात्र वरिष्ठता की स्वीकृति नहीं, बल्कि सुशासन के सूत्रों को संयोजन से संचालन और दृष्टिकोण से निष्पादन तक पहुंचाने की एक जिम्मेदारीपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली तेजस्विता, तीव्रता, तथ्यता और तत्परता के चतुर्भुज पर आधारित है। एक ऐसी शासन-धारा, जो केवल योजनाओं की घोषणा पर नहीं, धरातल पर दिखने वाले परिणामों पर विश्वास करती है। इसी शासन-शैली को अब गोयल को गति और गहराई देनी है।

शशि प्रकाश गोयल, 1989 बैच के वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। उनकी गिनती तकनीक पसंद अफसरों में होती है। गोयल ने अपने तीन दशकों से अधिक के प्रशासनिक जीवन में राजस्व, नगर विकास, गृह, पथ निर्माण, औद्योगिक विकास जैसे विभागों में निष्पक्षक भूमिका निभाई है। वे मुख्यमंत्री कार्यालय के अपर मुख्य सचिव के रूप में शासन के समस्त महत्वपूर्ण बिंदु पर क्रियाशील रहे हैं, जहां निर्णय केवल लिए नहीं जाते, उन्हें मूल्यांकन, मार्गदर्शन और माॉिटरिंग के संतुलन से आगे बढ़ाया जाता है। उनकी प्रशासनिक शैली में संयम, संकल्प और संरचना का त्रिवेणी संगम देखा गया है। गोयल की कार्यशैली में मौन में मिशन, संकल्प में समर्पण और फाइल में फलितार्थ की वह शैली है, जो उत्तर प्रदेश जैसे विराट प्रदेश की जटिलता को संयमित संकल्पना और संरचित प्रेरणा से साध सकती है। उनकी दक्षता नीति के पृष्ठों से आगे जाकर जनता के पलकों तक पहुंची है। यही कारण है कि वे मुख्यमंत्री के सबसे भरोसेमंद अधिकारियों में सम्मिलित रहें हैं। गोयल, मनोज कुमार सिंह का स्थान ले रहे हैं, जिन्होंने दुर्गाशंकर मिश्रा के पश्चात यह पद ग्रहण किया था। मनोज सिंह ने अपने



सीमित कार्यकाल में ग्राम्य विकास की गहराई और फोल्ड की तत्परता को शासन में समाहित किया। अब शासन की अपेक्षा एक ऐसे नेतृत्व की है, जो गति में गरिमा, दृष्टि में दीर्घता और निष्पादन में न्यायन ला सके। वर्तमान समय में मुख्य सचिव के समक्ष जो कार्य-सूची है, वह केवल योजनाओं की निगरानी नहीं, जनजीवन में योजनाओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने की चुनौती है। GBC-5 के तहत 5.06 लाख करोड़ की 5600 से अधिक परियोजनाएं, नकलमुक्त परीक्षाएं, भर्तियों में पारदर्शिता, खनन और भू-माफियाओं पर नियंत्रण, शहरी संयोजन से लेकर ग्राम्य सशक्तिकरण तक सभी मोर्चों पर परिणाम दिखाना अब केवल विभागों की जिम्मेदारी नहीं, मुख्य सचिव की न्याययुक्त निगरानी और निष्पादन-शक्ति की परीक्षा है। इसके साथ ही जेवर एक्सपोर्ट और गंगा एक्सप्रेस-वे जैसी बहुप्रतीक्षित परियोजनाएं इस साल पूरी होंगी हैं, वहीं पंचायत चुनावों की तैयारियां भी शासन को सहज और सशक्त नेतृत्व की ओर देख रही हैं। इन सभी लक्ष्यों की डोर अब एसपी गोयल के हाथों में है।

गोयल का पिछला कार्यकाल इस परीक्षा के लिए तैयारी की तरह रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय में रहते हुए उन्होंने

देश के अग्रणी कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि-क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ललकारभरे शब्दों में अमेरिकी टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा, भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का द्योतक है। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ को भारत ने अनुचित एवं दुर्भावनापूर्ण बताया है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के दबाव कभी नहीं आयेगा क्योंकि भारत के लिये यह एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है। इस समारोह में मोदी ने जो शब्द कहे, वे केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि नये भारत, सशक्त भारत की एक स्पष्ट नीति का घोषणा पत्र है, भारत की नई कृषि रणनीति, आत्मनिर्भरता की भावना और अमेरिकी टैरिफ की दादागिरी को खुली चुनौती है। भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है और दुनिया की कोई भी ताकत उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकती।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ पर पहली बार प्रतिक्रिया दी, और अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था। यह विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है कि ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन यह समझना मुश्किल नहीं है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी ट्रेड डील भी है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेयरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन देश की बड़ी आबादी खेती पर आश्रित है और किसान आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हैं। इसलिए वे सब्सिडाइज्ड अमेरिकी प्रॉडक्ट्स से होड़ नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के जरिये भारत का यही पक्ष एवं किसानों की चिन्ता को रखा है। लेकिन ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर नाकामी का ठीकरा फोड़ने के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूक्रेन युद्ध न रुकवा पाने की हताशा ट्रंप के फैसलों में बौखलाहट के रूप में झलक रही है। पहले उन्होंने चीन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब वहां से 'रेयर अर्थ मिनरल्स' के रूप में झटका लगा, तो भारत और रूस से अपनी बात मनवाना चाहते हैं। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारतीय कृषि उत्पादों पर

टैरिफ बढ़ाने की घोषणा को प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल अनुचित और एकतरफा करार दिया, बल्कि यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब वैश्विक मंच पर दबाव में आने वाला नहीं है। अमेरिका की यह टैरिफ नीति, डब्ल्यूटीओ के सिद्धांतों के विरुद्ध और विकासशील देशों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार का प्रतीक है। भारत पर विशेषकर चावल, गेहूं, दलहन, और मसालों के निर्यात में टैरिफ लगाना सीधे-सीधे भारतीय किसानों की आय पर प्रहार है। ऐसे समय में जब भारत कृषि निर्यात को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है, अमेरिका की यह नीति दादागिरीपूर्ण व्यापारवाद का उदाहरण है। भले ही ट्रंप की टैरिफ पैतारों ने दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी हो, लेकिन भारत ऐसी चुनौतियों के सामने झुकने वाला नहीं है।

भारत अब केवल अमेरिका या यूरोप पर निर्भर नहीं रहना चाहता। अफ्रीका, खाड़ी देशों, दक्षिण एशिया और पूर्वी एशियाई देशों के साथ द्विपक्षीय कृषि व्यापार समझौते तेजी से किए जा रहे हैं। स्थानीय उत्पादन का प्रोत्साहन, मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल के तहत कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को बल दिया जा रहा है,

सीएम डैशबोर्ड, GBC संचालन, डिजिटल निगरानी प्रणाली, और जनपदीय रिपोर्टिंग तंत्र को सुदृढ़ बनाया। उनके नेतृत्व में विकास को वाक्य नहीं, व्यवहारिकता की भाषा मिली। अब यही अनुभव पूरे शासनतंत्र को गति और गंभीरता देने में सहायक हो सकता है।

उत्तरदायित्व की उत्तरायण यात्रा

अब यह कूर्सी केवल कागजों की कलमकारी नहीं, बल्कि परिणामों की पारदर्शिता का प्रतीक बन चुकी है। मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल के समक्ष उत्तर प्रदेश को परियोजनाओं की परिकल्पना से निकालकर जनजीवन की जागरूकता तक पहुंचाने की चुनौती है। यह कार्य केवल नियमों की निगरानी नहीं, बल्कि न्यायसंगत निष्पादन की पुनःस्थापना है। संक्षेप में कहें तो, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को धरातल पर उतारना ही मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल की सफलता की वास्तविक कसौटी होगी। जहां केवल योजनाओं की गति नहीं, बल्कि उनका जनजीवन पर पड़ने वाला प्रभाव ही उनके प्रशासनिक नेतृत्व की प्रामाणिकता सिद्ध करेगा। और इसमें किंचित भी संशय नहीं कि शशि प्रकाश की कार्यशैली में, उनके नाम के अनुरूप ही, चंद्रमा की शीतल दृष्टि और प्रकाश की प्रखर दिशा का संतुलित समागम है- न शोर, न प्रदर्शन केवल शांति में साधना और प्रक्रिया में परिणाम। यही सौम्यता और संकल्पशीलता उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपेक्षाओं के अनुरूप स्थिरता, संरचना और सिद्धि के संगम तक ले जाने में समर्थ बनाती है।

यह कहना समीचीन होगा कि मुख्य सचिव के रूप में उनका कार्यकाल नीतियों के अनुपालन से आगे बढ़कर, जनजीवन में सुशासन की सृजित अनुभूति का आधार बनेगा- एक ऐसा उजास, जो शशि की तरह सहज हो और प्रकाश की तरह स्पष्ट।



किया गया कि साफ सुथरे कपड़े पहन कर आए ताकि सभी के फोटो अच्छे आए। हालांकि मौसम विज्ञानी की हलहली तह है कि बारिश होगी लेकिन नेताजी के शानदार भाग्य के कारण पौधारोपण आयोजन के दौरान पानी की बूंद भी नहीं

टपकी। छोटे मोटे बादलों ने आसमान में डेरा जमाव रखा जिससे मौसम सुहावना बना रहा तभी कार्यक्रम व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। पिछले बरस की तरह वृक्षारोपण के शुभ अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने

विचार

अमेरिकी दादागिरी पर मोदी की ललकार

ललित गर्ग



प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ पर पहली बार प्रतिक्रिया दी, और अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था। यह विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है कि ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन यह समझना मुश्किल नहीं है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी ट्रेड डील भी है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेयरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन देश की बड़ी आबादी खेती पर आश्रित है और किसान आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हैं।

टैरिफ बढ़ाने की घोषणा को प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल अनुचित और एकतरफा करार दिया, बल्कि यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब वैश्विक मंच पर दबाव में आने वाला नहीं है। अमेरिका की यह टैरिफ नीति, डब्ल्यूटीओ के सिद्धांतों के विरुद्ध और विकासशील देशों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार का प्रतीक है। भारत पर विशेषकर चावल, गेहूं, दलहन, और मसालों के निर्यात में टैरिफ लगाना सीधे-सीधे भारतीय किसानों की आय पर प्रहार है। ऐसे समय में जब भारत कृषि निर्यात को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है, अमेरिका की यह नीति दादागिरीपूर्ण व्यापारवाद का उदाहरण है। भले ही ट्रंप की टैरिफ पैतारों ने दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी हो, लेकिन भारत ऐसी चुनौतियों के सामने झुकने वाला नहीं है।

भारत अब केवल अमेरिका या यूरोप पर निर्भर नहीं रहना चाहता। अफ्रीका, खाड़ी देशों, दक्षिण एशिया और पूर्वी एशियाई देशों के साथ द्विपक्षीय कृषि व्यापार समझौते तेजी से किए जा रहे हैं। स्थानीय उत्पादन का प्रोत्साहन, मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल के तहत कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को बल दिया जा रहा है,

जिससे निर्यात योग्य उत्पादों का मूल्यवर्धन हो सके। डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, तकनीक के माध्यम से किसानों को वैश्विक बाजार की जानकारी, टैरिफ ड्राटा और निर्यात संभावनाओं से जोड़कर किसानों की ताकत को बढ़ाया जा रहा है। भारत टैरिफ के जवाब में टैरिफ की राह पर बढ़ते हुए यदि आवश्यकता पड़ी, तो प्रतिस्पर्धी टैरिफ नीति के तहत अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने से नहीं हिचकिचाएगा। भारत डब्ल्यूटीओ और जी20 आदि मंचों पर आक्रामक कूटनीति का सहारे लेकर अब विकासशील देशों की आवाज बनकर, अमेरिका की एकतरफा नीतियों का जवाब दे रहा है।

देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डॉनल्ड ट्रंप टैरिफ आतंक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत



वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीबिका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है।

एम.एस. स्वामीनाथन का नाम आते ही भारतीय कृषि का वह स्वर्णिम अध्याय सामने आता है, जब देश अन्न के लिए विदेशों पर आश्रित था और अकाल एक आम त्रासदी हुआ करती थी। 1960 के दशक में स्वामीनाथन ने नॉर्मन बोरलॉग के साथ मिलकर उच्च उपज वाली किस्में (एचवाईवी), उर्वरकों और सिंचाई तकनीक का ऐसा संगम किया जिसने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना दिया। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू हुई हरित क्रांति ने न केवल खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि भारत की कृषि पहचान को वैश्विक पटल पर स्थापित किया। उनकी रिपोर्ट, विशेष रूप से स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें, आज भी किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें बाजार से न्याय दिलाने की कुंजी मानी जाती हैं। उन्होंने किसान केंद्रित कृषि नीति का विचार दिया, जिसमें किसानों को केवल उत्पादनकर्ता नहीं, बल्कि राष्ट्रीयता माना गया। मोदी इसी नीति को आगे बढ़ाते हुए न केवल किसानों के हितों को साध रहे हैं, बल्कि भारतीय कृषि को नये भारत का आधार बनाने के लिये संकल्पबद्ध हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे। प्रधानमंत्री

मोदी का जोर अब अन्नदाता को ऊजार्दाता बनाने पर है। इसके लिए कृषि के तीन प्रमुख मोर्चों पर काम हो रहा है- न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को अधिक न्यायसंगत और पारदर्शी बनाना। कृषि निर्यात को 50 बिलियन डॉलर से ऊपर ले जाना। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को चरणबद्ध लागू करना, जिससे किसानों को लागत से 50 प्रतिशत अधिक लाभ मिल सके। आज जब हम एम.एस. स्वामीनाथन की वैज्ञानिक दृष्टि को याद करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि उनकी सोच सिर्फ उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि किसान को सशक्त करने, आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक ताकतों के सामने टिके रहने योग्य बनाने की थी। मोदी की यह नई नीति उसी दर्शन की राजनीतिक अभिव्यक्ति है।

सही मायनों में भारतीय कृषि में उन अमूल-चूल परिवर्तनों की आवश्यकता है जो न केवल किसान की आय बढ़ाएँ बल्कि कृषि उत्पादों को विश्व बाजार की चुनौतियों से मुकाबला करने में भी सक्षम बनायें। एक सौ चालीस करोड़ आबादी वाला देश भारत दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। इस आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना भी देश की प्राथमिकता होगी कि हम हर हालात में मेहनतकश अन्नदाता को पूरे दिल से समर्थन दें। भारत अब झुककर व्यापार नहीं करेगा, बल्कि सम्मान के साथ समझौता करेगा। अमेरिका जैसे देशों को यह समझना होगा कि भारतीय किसान अब केवल हल चलाते वाला नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार का खिलाड़ी है। और जब उसके पीछे स्वामीनाथन की विरासत और मोदी की नेतृत्वशक्ति हो, तो कोई भी टैरिफ, कोई भी दबाव, भारत की कृषि शक्ति को झुका नहीं सकता।

लघुकथा

अपना घर, पराया घर

माँ कह रही थीं, एक दिन सारी बेटियों को अपने घर जाना ही पड़ता है। तो ये घर किसका है? मैंने माँ से पूछा . . . मैं अब छोटी बच्ची नहीं थी, ये मेरा सोलहवाँ जन्मदिन था। बचपन से ही ससुराल की बातें सुनकर बड़ी हुई हूँ मैं। नानी के घर छुट्टियों पर जाने का मजा ही अलग होता है, लेकिन जब वही नानी माँ थोड़ी-सी गड़बड़ होते ही सास और ससुराल की बातों से डराए तो पूरा मजा ही खराब हो जाता है। मेरा बचपन बहुत सुंदर था लेकिन इन बातों से कौन-सी लड़की बच पाई है आज तक, जो मैं कुछ खास होती। मुझे मेरे घर जाना है ये बात शायद मुझे पैदा होते ही बता दी गई थी। पर मन में कुछ सवाल थे, जैसे, अगर सास इतनी ही बुरी होती है की चलती होते ही डाँटे तो मुझे ऐसी सास के पास भेजना ही क्यों चाहते हैं? और मैं तो ससुराल में नई-नई जाऊँगी तो वो घर मेरा कैसे हुआ? पर ना तो मैं इन सवालों के जवाब जानती थी और ना पूछना मुझे कभी आसान लगा। दिल में इतना कुछ था कि मेरे जन्मदिन पर भी जब मेरी ही माँ मुझे पराया साबित कर रही थीं, तब मैंने पूछ ही लिया कि ये घर-आखिर है किसका? हालाँकि जवाब मुझे पता था—आखिर बेटियाँ पराई होती हैं बेटे नहीं, और भैया तो हमेशा से ही माँ के लाड़ले रहे हैं! . . . माँ ने आँखों में चमक और चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान लिए कहा, ये घर उसका है जो यहाँ दुलहन बनकर आएगी। मैं हैरान थी, जिसका अभी तक नाम भी नहीं पता था उसके आते ही सब कुछ उस पर लुटने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी मेरी माँ। क्या सास सच में बुरी होती है? आखिर कौन-सा घर सच में अपना होता है, कौन-सा पराया?



पारम्परिक व नई हिट फिल्मों के गानों पर डांस किया बाद में लोक नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। नेताजी ने पौधे लगाने के महत्त्व पर बढ़िया प्रकाश डाला। पिछले साल की तरह इस बार लड्डू न बाँटकर पनीर बारी खिलाया गया। इस स्वादिष्ट बदलाव पर बच्चे, जवान और बूढ़े सभी बहुत संतुष्ट दिखे। पिछले साल की तरह नेताजी ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर पौधा लगाया। उनके साथ आए सज्जनों ने भी गिन गिन कर पौधे लगाए। कैमरों ने सेलेफियाँ खींचीं और तपाक से वहट्सएप कर दी। जितने पौधे लगाए पड़े, पिछले साल की तरह उससे ज्यादा बताए गए। हर समारोह में कचरा फैलाना अभी भी हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। पिछले वर्ष की तरह इसे तमयता से किया गया। नेताजी को विश्वास हो गया कि उन्होंने क्षेत्र की वोटे अपनी तरफ कर ली हैं।

कहानी

अनोखी कुश्ती



कर्मजीत सिंह गठवाला

बहुत समय पहले की बात है, एक गाँव में दो आदमी रहते थे। उम्र, कद-काट और स्वभाव में वे एक जैसे थे। वे हमेशा साथ रहते और जब कभी अकेले रहना पड़ता तो उनको लगता जैसे समय उन्हें दुखी करने के लिए ठहर गया हो। जिंदगी में चाहे कितने भी दुख और मुसीबतें क्यों न आईं, दोनों ने एक-दूसरे का हाथ इस तरह थामा जैसे दो जिसम एक जान हो। उनके नाम खुशिया और हसुआ थे। उनकी कई कहानियाँ और किस्से लोग आज भी बड़े चाव से याद करते हैं। बुजुर्ग कहते हैं कि एक बार उनके मन में विचार आया कि क्यों न बाहर जाकर दुनिया देखी जाए। बस फिर क्या था दोनों ने तैयारी कस ली और चल पड़े। वे कितने ही शहरों, गाँवों और कस्बों में घूमे। कितने ही जंगलों और नदियों की घाट किया। ऐसे ही घूमते-घूमते वे एक बार किसी गाँव के बाहर पहुँचे। वहाँ उन्होंने बहुत बड़ी भीड़ देखी। उन्होंने सोचा, 'यह कैसी भीड़ है? चलो खुद ही देख लेते हैं।' उन्होंने देखा सामने अखाड़ा खोदा गया था और कुश्ती की तैयारी हो रही थी। यह सारे लोग बाघा और शेरों की कुश्ती देखने के लिए आए थे। दोनों के बीच कुश्ती शुरू हो गई, दोनों ही बहुत मजबूत पहलवान थे। भीड़ में कई लोग चिल्लाते भी लगे। जउन दोनों ने से कोई दांव लगाता, तो भीड़ में से कोई ताली बजाता और फिर क्या होता, बस पूछिए मत, उसके पीछे तालियों की बौछार होने लगती। जब वे एक-दूसरे के दांव-पेंच को बचाते तो शोर मच जाता। काफी देर तक ऐसे ही कुश्ती चलती रही, ऐसा लग रहा था कि दोनों में से कोई हारेगा नहीं। भीड़ बढ़ती ही चली जा रही थी। इतने में शेर ने जरा सा भीड़ की तरफ देखा और बाघे ने ऐसा दांव लगाया के शेर चित्त हो गया। लोग चिल्लाते लगे और आसमान तालियों से गुंज उठा। बाघा खुशी के मारे कुलाचे भरने लगा और तालियाँ बजाने लगा। लोगों ने उसे अपने कंधों पर उठा लिया। शेर उदास होकर एक तरफ बैठ गया। वह मायूस होकर सोचने लगा, 'मैंने भी तो कोई कसर नहीं छोड़ी।' किसी ने उसकी परवाह तक नहीं की। यह देखकर हसुआ गाँव के मुखिया के पास गया। उसने मुखिया से पूछा, "अगर मैं और मेरा साथी तुम्हें कुश्ती दिखाएँ, तो तुम्हें कोई आपति तो नहीं होगी?" गाँव का मुखिया थोड़ा मुकुराया और बोला, 'नहीं, भला इसमें हमें क्या आपति हो सकती है।' खुशिया और हसुआ कमर में लंगोट बाँधे अखाड़े में आ गए। काफी देर तक दोनों ने अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया। लोग उनके दांव-पेंचों की सराहना करते रहे। बाघा और शेर भी इस लड़ाई का आनंद ले रहे थे। सब एक-दूसरे के आगे खड़े होकर कुश्ती देखने की कोशिश करने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे दोनों ने मिलकर मेला लूट लिया हो। आखिरकार, खुशिए ने हसुए को पटक दिया। लोग एक-दूसरे से बड़ चढ़कर जोर-जोर से चिल्लाते लगे। यह क्या? हसुआ भी खुशी से नाचने लगा। शेर, बाघा और शर भी अन्य लोग अचंभित होकर उसे निहारने लगे। उनमें से एक ने उससे पूछा, "तुम तो कुश्ती हार गए हो, फिर भी इतने खुश क्यों हो?" वह फिर हँसा और बोला, "मैं खुश क्यों न होऊँ? मैंने भी अपनी तरफ से बेहतरीन कुश्ती दिखाई, तभी तो मेरे साथी ने इतनी अच्छी कुश्ती दिखाई और मुझे हरा दिया। अगर मैं इतनी अच्छी कुश्ती नहीं दिखाता, तो वह भी अच्छी कुश्ती कैसे दिखा पाता? मैंने वैसे, वह भी तो मेरा दोस्त ही है।" गाँव के मुखिया को बात समझ में आ गई। इनाम देते हुए उसने शेर को भी वरावर का सम्मान और इनाम दिया और हसुए-खुशिए को कई दिनों तक अपने गाँव में मेहमान बनाकर रखा।

पढ़ लिखकर लाइफ में कुछ करना चाहती थी दिव्यांशी

एक तरफा आकर्षण में सनकी ने मार डाला, मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाने में लगी पुलिस



मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कोतवाली सदर के मोहल्ला चौथियाना स्थित रानी मंदिर के गर्भगृह में जलाभिषेक के दौरान 26 जुलाई को एकतरफा प्यार में सिरफिरे राहुल दिवाकर की तीन गोलियों का शिकार हुई बीएससी की छात्रा दिव्यांशी आखिरकार 13वें दिन जिंदगी की जंग हार गईं। मेडिकल कॉलेज सैफई में बृहस्पतिवार रात 10.30 बजे अंतिम सांस ली। मौत से पीड़ित परिवार और पूरे मोहल्ले में मातम छा गया।

पुलिस राहुल दिवाकर के खिलाफ दर्ज मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाने में लग गई है। मोहल्ला चौथियाना स्थित रानी मंदिर में शिव परिवार स्थापित है। मंदिर से महज 50 मीटर दूर रहने वाली दिव्यांशी पुत्री सुशील कुमार 26 जुलाई को

सुबह 8.30 बजे करीब पूजा करने गई थी। छात्रा गर्भगृह में जलाभिषेक कर रही थी। तभी वहां रानी मंदिर वाली गली निवासी राहुल दिवाकर पहुंच गया और उसने गर्भगृह का गेट बंद कर दिव्यांशी पर एक के बाद तीन गोलियां चला दी थीं। एक गोली सिर को गड़ते हुए, दूसरी कंधे में और तीसरी पेट में लगी थी, जो कि आंतों को चोरते हुए रीढ़ की हड्डी में फंस गई थी। दिव्यांशी चार बहनों में तीसरे नंबर की थी, वह पढ़ने में बेहद होशियार थी। वह पढ़ लिख कर कुछ करना चाहती थी। पिता की बचपन में ही मौत हो चुकी थी। दिल्ली में रह रहे चाचा और विधवा मां ही सहारा थे। मां और चाचा दिव्यांशी को पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहे। मगर, पांच साल पहले छात्रा की जिंदगी में सनकी राहुल दिवाकर आया, वह

राहुल को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर चुकी है पुलिस

घटना वाले दिन ही करीब 11.30 बजे करहल रोड पर नगला जुला के पास नाकाबंदी में राहुल दिवाकर को पुलिस ने घेर लिया था। राहुल ने पुलिस पर फायरिंग कर दी थी। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके बाद राहुल के भाई को भी वारदात में साजिशकर्ता बताते हुए जेल भेज दिया था। हालांकि दिव्यांशी के परिवार को अब भी आरोपी राहुल के पिता, जो कि हत्याकांड में निरुद्ध रहा है, उससे अपनी जान को खतरा है। उसके बारे में पुलिस को परिवार बता चुका है।

शादी होने की बात से बौखला गया था सनकी

राहुल दिवाकर, दिव्यांशी से एकतरफा आर्कषण में था और दिव्यांशी के शादी तय होने की खबर सुनकर वह बौखला गया था। 26 जुलाई को खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद राहुल ने दिव्यांशी को मरा हुआ समझकर वहां से भाग गया था।

दूसरे ऑपरेशन से पहले ही तोड़ दिया दम

घटना के बाद से दिव्यांशी मेडिकल कॉलेज सैफई में भर्ती थी। जिंदगी के लिए संघर्ष कर रही थीं। डॉक्टरों ने एक ऑपरेशन के बाद उनकी आंतों में फंसी गोली निकालने की कोशिश की थी, लेकिन उनकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। आंत में छेद होने के कारण रिसाव शुरू हो गया था, जिससे उनकी हालत और गंभीर हो गई। डॉक्टरों द्वारा दूसरा ऑपरेशन करने की तैयारी थी। चिकित्सक सीनियर से सलाह मशविरा कर रहे थे। शनिवार को चिकित्सक ऑपरेशन करने वाले थे। मगर, इससे पहले ही दिव्यांशी ने दम तोड़ दिया।

मां हुई बदहवास, मोहल्ला मौत के गम में डूबा

सैफई मेडिकल कॉलेज में बृहस्पतिवार रात करीब 10.30 बजे दर्द भरी सिसकियों के साथ दिव्यांशी ने आखिरी सांस ली। वहां मौजूद मां पुनम राठौर बेटी की मौत की खबर सुनते ही बदहवास हो गईं। मौत की खबर जब मोहल्ला चौथियाना पहुंची तो लोग गमगीन हो गए। छात्रा की मौत की सूचना के बाद छात्रा के घर के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई।

गमगीन माहौल में हुआ अंतिम संस्कार

सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह, इंस्पेक्टर कोतवाली फतेह बहादुर सिंह ने छात्रा के परिजन से बात की। शुक्रवार सुबह से ही सांतवना देने के लिए लोग वहां पहुंचे। शाम को दिव्यांशी का शव घर पहुंचा तो वीथ पुकार मच गई। गमगीन माहौल के बीच शव का अंतिम संस्कार किया गया। छात्रा की मौत से हर कोई गमगीन नजर आया।

छात्रा को परेशन करने लगा। दो साल पहले फायरिंग की घटना को भी अंजाम दिया। मगर, इस घटना के बाद समझौता

करा दिया गया। तब दिव्यांशी अपने चाचा के पास दिल्ली चली गई थी। मगर आगे बढ़ने और पढ़ने की चाह में वह



घर वापस आई और प्राइवेट बीएससी की पढ़ाई करने लगी। मगर, उसे क्या पता था कि इस बार राहुल उसकी जिंदगी ही छीन लेगा। उसकी मौत के साथ ही सारे सपने और पढ़ लिख कर कुछ बनने खाहिश भी दम तोड़ गई।

छोटी खबरें

आज होगी जन अधिकार पार्टी की समीक्षा बैठक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुन्या कुशवाह व सांसद जौनपुर बाबुसिंह कुशवाहा के निर्देश पर जन अधिकार पार्टी की एक समीक्षा बैठक शहर के देवी बाईपास रोड स्थित महिमा मैरिज होम परिसर में रविवार की दोपहर 12 बजे आयोजित की जाएगी, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यमंत्री पार्टी के आगरा मंडल प्रभारी रमेश चन्द्र शाक्य भाग लेंगे। उक्त आशय की जानकारी देते हुए पार्टी के जिलाध्यक्ष रणविजय शाक्य ने बताया कि पार्टी की समीक्षा बैठक में पदाधिकारियों से अभी तक पार्टी के लिए किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त की जाएगी, उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों को देखते हुए पार्टी की रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने क्षेत्र के जन अधिकार पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से समीक्षा बैठक में भाग लेने की अपील की है। पार्टी को मजबूती प्रदान करने पर भी होगी चर्चा जन अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष रणविजय शाक्य ने कहा कि समीक्षा बैठक का मुख्य फोकस पार्टी को मजबूती प्रदान करना है। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों के विषय पर गहन मंत्रणा भी होगी, अगले चुनावों में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए पार्टी तैयार है।

किशनी में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

मोर्निंग सिटी संवाददाता

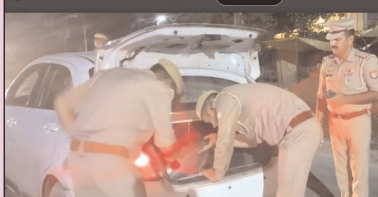
मैनपुरी/किशनी। शनिवार को राखी का पर्व नगर व क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाया गया। बहनों ने अपने भाई तक पहुंचने में सरकार की मुफ्त रोडवेज बस सेवा का लाभ उठाया। वहीं भाई भी अपनी बहन तक पहुंचने के लिए किसी भी तरह निजी या किराए के वाहनों से पहुंचे। नगर के रोडवेज बस स्टैंड पर सुबह 5 बजे से ही महिलाओं की भीड़ उमड़ने लगी थी इसके साथ करहल, बिघुना और मैनपुरी मार्गों पर भी भीड़ खूब चली, किशनी कुसमरा और वेवर मार्ग पर दिन भर प्राइवेट टैपों और मैजिक चलते रहे, बहनों ने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधी, भाइयों ने बहनों को सुरक्षा का भरोसा देकर उपहार दिए और आशीर्वाद लिया, बहनों ने अपने भाइयों के लंबी उम्र की कामना कर आरती उतारी, देर शाम तक सड़कों पर भीड़ भाड़ बनी रही, सड़कों पर भीड़ को लेकर थाना प्रभारी ललित भाटी भारी पुलिस के साथ सड़कों पर भ्रमण करते रहे।



रक्षाबंधन पर किशनी पुलिस की सरख्त रही सुरक्षा व्यवस्था

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। राखी का पर्व शनिवार को था परन्तु बहनों की सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस द्वारा शुद्धवार रात से ही सड़िया बहनों की चेकिंग शुरू कर दी गई थी। थाना प्रभारी ललित भाटी ने पिछली घटना वाले स्थानों के आसपास पुलिस बल लगाकर खुद भी देर रात्रि तक चेकिंग अभियान जारी रखा। देर रात्रि तक पुलिस की चेकिंग व्यवस्था देखकर अराजक तत्वों में खलबली देखी गई। इस त्योहार के कारण पुलिस ने शनिवार सुबह से ही सड़कों पर अपनी मुस्तैदी दिखाकर अपराधियों के मनसूबे पूरे नहीं होगे दिए। थाना प्रभारी ने समान कटरा क्षेत्र, इटावा मार्ग, बिघुना मार्ग आदि पर चेकिंग अभियान चलाकर सड़ियों की तलाशी ली। समाचार लिखे जाने तक पुलिस टीम द्वारा जगह जगह चेकिंग अभियान जारी रहा।

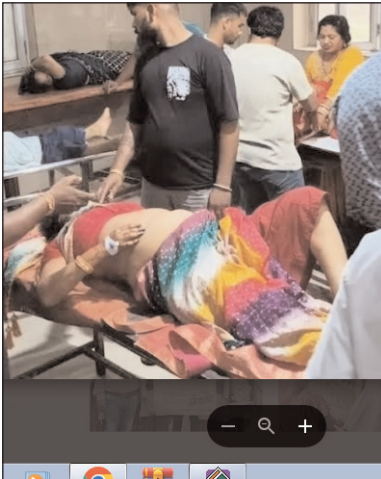


रक्षाबंधन वाले दिन बहन की सड़क हादसे में मौत

- तीन सवारी गंभीर घायल, ट्रक ने ऑटो में मारी टक्कर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कोतवाली सदर क्षेत्र के कुरावली मार्ग पर गांव अंजनी के निकट ट्रक की टक्कर से आठो सवार चार सवारियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। रक्षाबंधन त्योहार पर भाइयों को राखी बांधने के साथ मां के साथ मामा के घर जा रही किशोरी की मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। जहां हालत गंभीर होने पर मृत किशोरी की मां को मेडिकल कालेज सैफई के लिए रेफर कर दिया गया है। कोतवाली सदर क्षेत्र के मोहल्ला पुरोहिताना निवासी राजन कश्यप की पत्नी राजेश्वरी देवी अपने मायके एटा जिले के थाना अलीगंज क्षेत्र के गांव पिंजरी सरौड़ जा रही थीं। उनके साथ उनकी 17 वर्षीय पुत्री अकृति उर्फ गौरी भी जाने की जिद करने लगी तो मां ने पहले भाइयों को राखी बांधने की बात की। जिस पर अकृति ने अपने बड़े भाई अभय कश्यप और छोटे भाई रिषभ के राखी बांधी। इसके बाद मां बेटी नगर के ईसन नदी पुल से आटो में बैठकर निहाल जा रही थीं। आटो में फिरोजाबाद के सिरसगंज की रहने वाली गुडिया पत्नी साजिद और उनकी मां साबरा बेगम भी बैठी थीं। जब आटो कुरावली- मैनपुरी मार्ग पर गांव अंजनी के निकट माही ढाबा के निकट पहुंचा। तभी पीछे से आए अनियंत्रित ट्रक ने आटो में टक्कर मार दी है। हादसे में आटो चालक सहित सभी सवारियां घायल हो गईं। इस बीच ट्रक और आटो चालक भाग गए।



घटना से परिजनों में शोक की लहर

सूचना पर पहुंची बिख्या पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। जहां कुछ देर चले इलाज के दौरान अकृति की मृत्यु हो गई। जबकि उनकी मां राजेश्वरी देवी की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कालेज सैफई के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे की जानकारी पाकर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी पर भिजवाया। घटना से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है।

हर घर तिरंगा यात्रा को लेकर आलीपुर खेड़ा में बैठक

- आज से चलेगा हर घर तिरंगा अभियान, घरों पर लगाएं जायेंगे तिरंगा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आलीपुर खेड़ा/मैनपुरी। कस्बा स्थित लोक कल्याण आश्रम कल्याण वाटिका मैरिज होम पर भारतीय जनता पार्टी की बैठक हर घर तिरंगा यात्रा के सम्बंध में हुई। घर-घर तिरंगा यात्रा को लेकर आलीपुर खेड़ा में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी की बैठक मण्डल अध्यक्ष सतेंद्र राजपूत की अध्यक्षता में हुई, बैठक में मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष ममता राजपूत ने घर-घर तिरंगा यात्रा के बारे में बताया। वहीं 10 से 14 अगस्त तक घर-घर तिरंगा यात्रा अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया, उन्होंने कहा कि सभी मोर्चों के अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष घर-घर जाकर तिरंगा झंडा लगायें।

जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। जैसे ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने राष्ट्रवाद की भावना को और प्रबल किया है, वैसे ही हर घर तिरंगा अभियान को भी जन-जन से



जोड़ने का कार्य हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरे मनोयोग से अभियान में जुट जाएं और इसे एक जन आंदोलन का रूप दें।

मार्ग, व्यवस्थापन पर हुई चर्चा

बैठक में यात्रा की तारीख, मार्ग, व्यवस्थापन, जनसंपर्क अभियान तथा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर गहन चर्चा की गई। तिरंगा यात्रा का आयोजन विधानसभा और मंडल स्तर पर किया जाएगा, यह

यात्रा न केवल स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि होगी, बल्कि राष्ट्रीय एकता और भारत की संप्रभुता का प्रतीक भी बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे घर-घर जाकर तिरंगा फहराने के महत्व को समझाएं और अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें। इस मौके पर कौशलेन्द्र कुशवाहा, सतेंद्र राजपूत, उपेश राजपूत, ब्रह्मानन्द शाक्य, प्रदीप राजपूत, अनिल कुमार लोधी, रवि राजपूत, शिशुपाल कश्यप, अमन कुशवाहा, दीपक राजपूत आदि मौजूद रहे।

ज्ञान गौरव एकेडमी में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन

- छात्र-छात्राओं ने एक दूसरे को बांधी राखी, दी शुभकामनाएं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कस्बा आलीपुर खेड़ा स्थित ज्ञान गौरव एकेडमी के छात्र-छात्राओं व अध्यापकों द्वारा भाई बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें स्टाफ और बच्चों ने एक दूसरे को राखी बांध कर बधाईयां दीं।

बीते शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व से एक दिन पूर्व ही ज्ञान गौरव एकेडमी विद्यालय परिसर में बच्चों और स्टाफ के द्वारा भाई-बहन के पावन त्योहार को बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। सभी कक्षाओं की बालिकाओं ने बालकों को उनके हाथ में राखी बांधी। बालकों ने भाई का फर्ज निभाते हुये बहनों को चरणस्पर्श कर उनको उपहार स्वरुप एक- एक चॉकलेट प्रदान की। साथ ही स्टाफ ने आपस में एक-दूसरे को राखी बांध कर रक्षाबंधन की शुभकामनायें दीं।

संस्कार ही परम्परा के साथ आगे बढ़ रहा दिवालय

विद्यालय के प्रबंधक गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालय जहां संस्कार ही परम्परा है, के उद्देश्य को लेकर निरंतर आगे बढ़ रहा है, हम लोग मिलकर बच्चों



को पढ़ाई के साथ-साथ उनको संस्कारगान भी बनाते हैं। छात्र-छात्राओं के द्वारा एक दूसरे के राखी बांधने की भावना उनको संस्कार की शिक्षा देती है, साथ बच्चे एक दूसरे को भाई-बहन के रिश्ते को और मजबूत करते हैं। इस त्योहार से आपस में किसी भी प्रकार की कोई द्वेष भावना नहीं रहती है। और आपस में मिल-जुल कर पढ़ाई करते हैं। विद्यालय परिवार के द्वारा मनाये गये इस त्योहार से विद्यालय में बहुत सुंदर रक्षाबंधन पर्व का वातावरण देखने को मिला। साथ सभी बच्चों और स्टाफ ने

एक दूसरे राखी की शुभकामनायें भी दीं।

कार्यक्रम के दौरान यह रहे मौजूद

इस मौके पर विद्यालय प्रधानाचार्य राहुल शाक्य, सचिन राजपूत, सुनीता यादव, अवतार सिंह, अमित यादव, तरुण शुक्ला, अमित पाल, गोल्डी यादव, शिवांगी कुशवाहा, शैलजा चौहान, भूमि चौहान, सुजाता वर्मा, आरती यादव, सोमय यादव, सोनाली, श्रद्धा, शीतल, अंजली, रश्मि पाल, ललिता यादव आदि मौजूद रहे।

बहनों ने मंगल तिलक के साथ भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

रक्षाबंधन पर घरों में खीर, सेवइया सहित अन्य पकवान बनाएं गए - भाई बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन पर त्यस्त दिखीं जिला की सड़कें



मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जनपद भर में शनिवार को रक्षाबंधन का त्योहार परंपरागत तरीके से मनाया गया। बहनों ने भाई की कलाई पर प्रेम का रक्षा सूत्र बांधा तो भाइयों ने भी बहनों को जीवन पर्वत रक्षा का वचन दिया। भाई बहन के पवित्र त्योहार पर

सड़कें व्यस्त रहीं। घरों में उत्सव जैसा माहौल रहा।

शनिवार को रक्षाबंधन पर सुबह से ही घरों में तैयारियां दिखीं। बहनों ने भाइयों को मंगल तिलक लगाने के बाद रक्षा का सूत्र प्यार का बंधन राखी बांधी। भाइयों ने भी बहनों को उनकी रक्षा की शपथ लेते हुए उपहार स्वरूप भेंट दी। रक्षाबंधन के



त्योहार पर घरों में खीर, सेवइया व अन्य मनमोहक पकवान बनाए गए थे, बच्चों ने राखी बंधवाने के साथ ही पकवानों का भी स्वाद लिया। देर

शाम लोगों ने पवित्र सरोवरों, नदियों और नहरों में भुजरियों का विसर्जन कर दिया। बहनों ने मल्हार और सावन के गीत भी गाए।

बाजार में जमकर घेवर की खरीदारी

रक्षाबंधन पर मिठाई की दुकानों को बेहद ही अलग ढंग से सजाया गया था। मिठाई की दुकानों पर सर्वाधिक घेवर की खरीदारी हुई। मिठाई की दुकानों पर सुबह से लेकर शाम तक लोगों की भीड़ लगी दिखाई दी।

कस्बों में भी रक्षा बंधन पर भाई बहन में दिखा विशेष उत्साह

भाई बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन त्योहार कस्बों में भी परंपरागत रीतिरिवाजों के साथ मनाया गया। बहनों ने सुबह घरों में पूजा पाठकर व्रत रखकर भाइयों के तिलक कर रंगबिरंगी खूबसूरत राखी बांधी और उनकी दीर्घायु होने की कामना की। भाइयों की आरती कर उन्हें मिठाई खिलाकर और भाइयों के लिये बनाए गए पकवानों को खिलाया। पुलिस प्रशासन भी व्यवस्थाओं को लेकर सक्रिय रहा। जगह-जगह सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस पिकेट की तैनाती की गई थी। रक्षाबंधन पर तमाम दवाों के बीच बहनों को परेशानी से जुझना पड़ा। रोडवेज के इंतजाम नाकाफी दिखे। बसों में मारामारी रही। बेवर में बस स्टैंड चौराहे पर रक्षाबंधन के दिन बहनों की भीड़ रही। मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन तीन दिनों तक परिवहन निगम की बसों में मुफ्त यात्रा की घोषणा की थी। भीड़ के चलते महिलाओं को बसों में चढ़ने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। देर शाम तक बस स्टैंड पर महिलाओं का हुजूम बना रहा।

प्राइवेट बसों में भी रही भीड़

औख, अलीगंज और किशनी प्राइवेट बस स्टैंडों पर पूरे दिन बहनों की भारी भीड़ रही। बसों के आते ही बहनों में सीट पाने को मारामारी रही। जैसे ही बस आती लोग धक्का मुक्की करते हुए सवारियों को उतारने से पूर्व ही खिड़कियों से होकर बच्चे और युवा बसों में घुसते नजर आए।

जेल में बहनों से राखी बंधवाने पहुंचे भाई

महिला बंदियों को भी राखी बांधने के लिए भाइयों का इंतजार था। दोपहर में महिला बंदियों से राखी बंधवाने के लिए उनके भाई जेल में पहुंचे। भाइयों को सामने देख महिला बंदियों के चेहरों पर खुशी छा गई।

जेल पहुंचकर बहनों ने भाइयों को बांधी राखी

जेल में बंद भाइयों को राखी बांधने के लिए सुबह से ही बहनें जेल के बाहर पहुंच गईं। पहले बहनों को आधार कार्ड अथवा अन्य पहचान पत्र जमा करना पड़ा। सुबह से शाम तक जेल में महिलाओं की लंबी लाइनें लगी रहीं। हर काउंटर पर बंदी रक्षकों की संख्या बढ़ाकर दो से तीन लाइनें लगाकर उनको आपवारिकताएं पूरी करने के बाद ही बहनों को जेल में प्रवेश दिया गया। मिठाई छोड़कर अन्य खाने का सामान अंदर नहीं जाने दिया गया। जेल अधीक्षक स्वयं भी जेलर सहित बंदी रक्षकों को निर्देश देते रहे। शाम तक जेल में भाइयों को राखी बांधने का सिलसिला चला। इस दौरान काफी संख्या में महिला पुलिस की तैनाती की गई।

भत्त दित्त रूप से मनाया गया काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समापन समारोह, तिरंगा प्रभात फेरी एवं मोटर साइकिल रैली का हुआ आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। विधायक डा0 जीएस धर्मेंश जी एवं जिलाधिकारी ी अरविंद मल्लप्पा बंगारी द्वारा विकास भवन से काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समापन समारोह के अन्तर्गत तिरंगा प्रभात फेरी एवं मोटर साइकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया तथा शहीद स्मारक में राष्ट्र के अमर वीरों की प्रतिमाओं पर माला पहनाकर पुष्पांजलि दी गई एवं राष्ट्र धुन के साथ एक पेड़ मां के नाम-2.0 के अन्तर्गत पौधा रोपण किया गया। विकास भवन में तिरंगा मेला व काकोरी ट्रेन एक्शन से सम्बन्धित लगाई गई चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। विकास भवन से शहीद स्मारक तक तिरंगा प्रभात फेरी एवं मोटर साइकिल रैली द्वारा राष्ट्रभक्ति व स्वच्छता का संदेश देते हुए भारत माता की जय, वन्दे मातरम के नारों के साथ रैली का आयोजन किया गया, विधायक व जिलाधिकारी महोदय द्वारा शहीद स्मारक पहुंचकर राष्ट्र के अमर वीरों की प्रतिमाओं पर माला पहनाकर पुष्पांजलि अर्पित की गई एवं राष्ट्र धुन का वादन किया गया तथा एक पेड़ मां के नाम-2.0 अभियान के अन्तर्गत पौधारोपण



किया गया। तत्पश्चात विधायक डा0 जीएस धर्मेंश, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशान्त पौनियां व अन्य अतिथियों द्वारा विकास भवन में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समापन समारोह से सम्बन्धित लगाई गई चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। विकास भवन सभागार में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समापन समारोह का एलंडी के माध्यम से काकोरी लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के सम्बोधन का सजीव प्रसारण को देखा व सुना गया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों की छात्राओं द्वारा स्वयं अपने हाथ से तैयार की गई तिरंगा राखी को चंदन तिलक लगाकर सेना व पुलिस के

जवानों की कलाई में बांधकर रक्षाबंधन के पर्व को राष्ट्रप्रेम और सामाजिक समर्पण की भावना के साथ मनाया गया। विधायक जीएस धर्मेंश जी एवं जिलाधिकारी महोदय द्वारा राखी भेंटिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कंपोजिट स्कूल न्यू आगरा एवं क्वीन विक्टोरिया इंटर कॉलेज की छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिसमें कंपोजिट स्कूल न्यू आगरा की कक्षा 8 की छात्राएं, इल्मा, अक्सा अंसारी, आलिया, निकुंज जैन, नुसरा, रोशनी, एवं कक्षा 7 की वर्षा, मानवी, इकरा, गुनगुन तथा क्वीन विक्टोरिया गर्ल्स इंटर कॉलेज की कक्षा 12 की छात्राएं, सीप

विकास भवन में तिरंगा मेला व काकोरी ट्रेन एक्शन से सम्बन्धित लगाई गई चित्र प्रदर्शनी

चौहान, खुशी तोमर, रूमा, अलीमा, प्राची लवानिया, अदीवा, आसमा, नैना जैन, आराध्या कश्यप व सिद्धी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर विधायक डा0 जीएस धर्मेंश ने कहा कि आज से 100 वर्ष पहले देश के महान क्रान्तिकारियों ने ब्रिटिश सरकार की ट्रेन जो सरकारी खजाना व हथियार ले जा रही थी, को काकोरी स्टेशन पर लूट लिया गया, इस महान क्रान्तिकारी घटना की स्मृति को बनाये रखने, नागरिकों में राष्ट्रभक्ति व देश प्रेम की भावना का संचार करने व आगामी पीढ़ी को दिशा देने व जानकारी हेतु चित्र प्रदर्शनी व तिरंगा रैली एवं शहीद स्मारक पर अमर शहीदों के प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। आज का कार्यक्रम काकोरी ट्रेन एक्शन में शामिल अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है, हम सभी भारतीयों को अपने अमर शहीदों के प्रति गर्व है। जिलाधिकारी महोदय ने बताया कि जनपद में हर घर तिरंगा अभियान-2025 के

अन्तर्गत 02 अगस्त से 15 अगस्त तक तीन चरणों में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं, जिसमें प्रथम चरण के समापन पर आज काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समापन समारोह में काकोरी ट्रेन एक्शन से सम्बन्धित ब्रिटिश सरकार द्वारा डाक्यूमेंटेड अभिलेखों की चित्र प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे युवाओं, आमजन में हमारे अमर शहीदों के प्रति प्रेम व देश भक्ति की भावना का संचार होगा तथा इस घटना से सम्बन्धित सभी दस्तावेजों को देख सकते हैं। इसी उपलक्ष्य में आज तिरंगा प्रभात फेरी एवं मोटर साइकिल रैली, शहीद स्मारक में अमर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि, राष्ट्र धुन का वादन तथा वृक्षारोपण के कार्यक्रम आयोजित किए गये। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर चौहान, मुख्य चिकित्साधिकारी अरूण कुमार श्रीवास्तव, पीडीडीआरडीए व प्रभारी सीडीओ रेनू कुमारी, डीसी मनरेगा रामायन यादव, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी शक्ति सिंह, उप निदेशक कृषि मुकेश कुमार, डीपीआरओ मनीष कुमार सहित समस्त जिलास्तरीय अधिकारीगण व विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।



मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद। कोटला चुंगी चौराहे पर बीते दिन हुई आगजनी ने दो परिवारों की रोजी-रोटी छीन ली। शिवम चाय वाले और कल्लू पान वाले की दुकानों में अचानक लगी भीषण आग ने देखते ही देखते सारा सामान राख कर दिया। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका,

लेकिन लोगों के अनुसार घटना इतनी तेज थी कि सामान बाहर निकालने का भी मौका नहीं मिला। शनिवार शाम सदर विधायक मनीष असीजा घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पीड़ितों से मुलाकात कर ढाढ़स बंधाया और तत्काल उपजिलाधिकारी व तहसीलदार को घटना की जानकारी देकर राहत कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए।

विधायक असीजा ने कहा कि पीड़ितों को हरसंभव आर्थिक और प्रशासनिक मदद दिलाने के लिए वे स्वयं प्रयास करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी को भी नुकसान की भरपाई में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। मौके पर मौजूद लोगों ने विधायक से राहत सामग्री व मुआवजे की मांग भी रखी।

छोटी खबरें

सलाखों के पार भी नहीं टूटा भाई-बहन का रिश्ता, जिला जेल में राखी बांधकर नम हुई आंखें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शनिवार को जिला कारागार में ऐसा भावुक दृश्य देखने को मिला, जिसने हर किसी को भावविभोर कर दिया। सलाखों के उस पार बंद भाइयों की कलाई पर राखी बांधने आई बहनों की आंखें छलक पड़ीं। भाई-बहन के इस मिलन को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए जेल प्रशासन ने खास इंतजाम किए थे। जेल अधीक्षक अमित चौधरी ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी रक्षाबंधन का पर्व हवेलीलास के साथ मनाया गया। भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने के लिए वॉरिकेटिंग लगाई गई और दो हेल्प डेस्क बनाए गए, ताकि किसी बहन को किसी तरह की असुविधा न हो। सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए थे और आने वाली बहनों को आधा किलो मिठाई लाने की अनुमति दी गई। सुबह से ही जेल गेट पर राखी और मिठाई लिए बहनों की कतार लग गई थी। भाई-बहन के मिलन के इस क्षण ने जेल की दीवारों के भीतर भी रक्षाबंधन का उल्लास और भावनाओं का सैलाब भर दिया।

रक्षाबंधन पर पुलिस की पैदल गश्त झ सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी निगरानी



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। रक्षाबंधन पर्व पर शहर की सुरक्षा और शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। पुलिस उपायुक्त नगर सोनम कुमार के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त ताज सुरक्षा और थाना ताजगंज पुलिस बल ने भीड़भाड़ वाले स्थानों व बाजारों में पैदल गश्त की। ताजमहल क्षेत्र और आसपास के व्यस्त इलाकों में पुलिस ने प्लेग मार्च कर लोगों में सुरक्षा का भरोसा जागाया। त्योहार के कारण बाजारों में भीड़ उमड़ी, ऐसे में पुलिसकर्मियों ने यातायात और भीड़ नियंत्रण पर खास ध्यान दिया। अधिकारियों ने मोके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस के इस विशेष अभियान के तहत न केवल बाजारों में शांति व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया गया, बल्कि पर्यटक स्थलों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई। पैदल गश्त और प्लेग मार्च के दौरान लोगों ने पुलिस की सक्रियता की सराहना की और कहा कि त्योहार के दिन इस तरह की सतर्कता से माहौल सुरक्षित और शांतिपूर्ण बना रहता है।

उत्तर भारत का 104वां ऐतिहासिक दंगल

श्रीरामलीला मैदान में गूंजा पहलवानों का दम विधायक मनीष असीजा रहे मुख्य अतिथि

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फिरोजाबाद। उत्तर भारत का मशहूर ऐतिहासिक 104वां विराट दंगल शनिवार शाम 4 बजकर 45 मिनट करीब पर श्रीरामलीला मैदान, फिरोजाबाद में धूमधाम से आयोजित हुआ। सिल्लोडी सरकार समिति एवं गिरांज चरण सेवा समिति मित्र मंडली के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस आयोजन में देशभर के भारत केसरी व नामी-गिरामी पहलवानों ने दमखम दिखाया।

दंगल के मुख्य अतिथि विधायक सदर मनीष असीजा रहे, जिन्होंने आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि यह दंगल केवल खेल नहीं बल्कि परंपरा, अनुशासन और भाईचारे का प्रतीक है। विशिष्ट अतिथि के रूप में गौ सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय, शिक्षाविद व समाजसेवी हरिओम प्रकाश शर्मा, तथा



दंगल 2025 के अध्यक्ष निकुंज शुक्ला उपस्थित रहे। अंतिम मुकाबला भारत केसरी पहलवानों के6 बीच हुआ, जिसमें

विजेता को एक लाख रुपये की इनामी राशि प्रदान की गई। बालक वर्ग, तहसील और जिला स्तर की कई रोमांचक कुश्तियों ने दर्शकों का उत्साह दौगुना कर दिया। संयोजक मनोज ताऊ और पूर्व अध्यक्ष विनय विद्यार्थी ने बताया कि यह आयोजन बीते 104 वर्षों से लगातार होता आ रहा है और हर साल इसे और अधिक भव्य स्वरूप देने का प्रयास किया जाता है। आयोजन में देवेश भारद्वाज, उदय प्रताप सिंह, संतोष राठौर, सुनील भाऊ, बबलू चौबे, डॉ. सुनील कुशवाहा, नरेन्द्र शर्मा, कन्हैया गौतम, विवेक जोशी समेत बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे।

खेरागढ़ पुलिस में भाईचारे का पर्व – रक्षाबंधन पर गूंजी अपनापन की डोर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना खेरागढ़ में नियुक्त पुलिसकर्मियों ने भाई-बहन के स्नेह, सौहार्द और आपसी सहयोग की विश्वास और सुरक्षा के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व को शनिवार को हवेलीलास के साथ मनाया। सुबह से ही थाने का वातावरण उत्सवमय हो गया, जब बहनें राखी और मिठाई लेकर पुलिसकर्मियों को राखी बांधने पहुंचीं। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों ने बहनों को रक्षा का आश्वासन देते हुए कहा कि पुलिस सिर्फ कानून-व्यवस्था की रखवाली ही नहीं करती, बल्कि समाज के हर व्यक्ति के सुखदुःख में भी साथ खड़ी रहती है। बहनों ने भी पुलिसकर्मियों को आशीर्वाद और

शुभकामनाएं दीं। थाना प्रभारी ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि यह भाईचारे, सौहार्द और आपसी सहयोग की भावना को प्रगाढ़ करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास जितना मजबूत होगा, उतना ही समाज सुरक्षित और खुशहाल रहेगा। इस मौके पर मौजूद सभी पुलिसकर्मियों ने संकल्प लिया कि वे अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे और हर नागरिक की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। रक्षाबंधन के इस पावन पर्व ने थाने में न सिर्फ उत्सव का माहौल बनाया, बल्कि पुलिस और जनता के रिश्तों में और भी गर्मजोशी भर दी।



रक्षाबंधन पर फिरोजाबाद में उमड़ा स्नेह और श्रद्धा का सैलाब बसों में फ्री सफर से बहनों की भारी भीड़, शुभ मुहूर्त में गूंजी राखी की रस्म



मोर्निंग सिटी संवाददाता

यात्रा सुविधा मिलने से जिले के बस स्टैंड, सुभाष तिराहा और अन्य प्रमुख स्थानों पर सुबह से देर शाम तक यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ी। दूरदराज के गांवों और कस्बों से आई कई बहनों को बस का इंतजार घंटों करना पड़ा, लेकिन चेहरे पर त्योहार की रौनक बरकरार रही। शुभ मुहूर्त में बहनों ने भाइयों की



कलाई पर राखी बांधकर प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का अटूट बंधन मजबूत किया। बदले में भाइयों ने जीवनभर रक्षा का संकल्प लेते हुए बहनों को उपहार और मिठाइयां भेंट कीं। शहर के मंदिरों में पूजा-अर्चना हुई और घर-घर में पकवानों की खुशबू बिखरी रही। बाजारों में राखियों, मिठाइयों और उपहार की

दुकानों पर सुबह से ही रौनक रही, जिससे व्यापारी भी उत्साहित नजर आए। रक्षाबंधन का यह पर्व सिर्फ घर-परिवार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जेल, चूड़ाश्रम और अनाथालयों में भी बहनों ने राखी बांधकर प्रेम और अपनत्व का संदेश दिया। पूरा दिन भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व के गीत गूंजते रहे।

बिना चीर-फाड़ के दिल के सिकुड़े वाल्व का सफल इलाज – एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा में पहली बार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

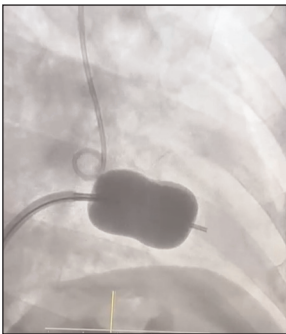
आगरा। चिकित्सा जगत में आगरा ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग विभाग में पहली बार बिना चीर-फाड़ (गैर-सर्जिकल तकनीक) के दिल के सिकुड़े हुए वाल्व का सफल इलाज किया गया है। यह उपलब्धि कॉलेज के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु यादव ने हासिल की, जिन्होंने एक 40 वर्षीय मरीज के माइट्रल स्टेनोसिस (सिकुड़े हुए माइट्रल वाल्व) का जटिल इलाज पूरी तरह से बिना ओपन हार्ट सर्जरी के किया।

मरीज को कई महीनों से अत्यधिक सांस फूलने और पैरों में सूजन की शिकायत थी। हालत बिनाइले पर वह कई अस्पतालों में भर्ती हुए, लेकिन कोई स्थायी राहत नहीं मिली। सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज में जांच के दौरान



माइट्रल स्टेनोसिस की पुष्टि हुई, जो एक गंभीर हृदय रोग है। इसमें हृदय का माइट्रल वाल्व सिकुड़ जाता है और रक्त प्रवाह में बाधा आने लगती है। यह स्थिति समय रहते इलाज न होने पर जानलेवा हो सकती है। डॉ. हिमांशु यादव ने मरीज के इलाज के लिए जांच को नस के जरिए हृदय तक एक विशेष गुब्बारा

(बलून) पहुंचाया और बलून माइट्रल वाल्वोटॉमी की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। गुब्बारे के जरिए वाल्व को धीरे-धीरे फैलाया गया, जिससे रक्त प्रवाह सामान्य हुआ और मरीज को तुरंत राहत मिली। इस पूरी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की चीर-फाड़ या ओपन हार्ट सर्जरी की आवश्यकता



नहीं पड़ी। यह जटिल प्रक्रिया असाध्य रोग योजना के अंतर्गत पूरी तरह निशुल्क की गई। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत में उल्लेखनीय सुधार हुआ और केवल दो दिनों में उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एसएन मेडिकल कॉलेज के 167 वर्षीय इतिहास में यह पहली बार है कि माइट्रल वाल्वोटॉमी जैसी उच्च स्तरीय प्रक्रिया बिना ओपन हार्ट सर्जरी के सफलतापूर्वक की गई हो। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता

ने इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा, हमारा प्रयास है कि आगरा व आसपास के जिलों के मरीजों को यहीं उच्च गुणवत्ता की सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं उपलब्ध हों, ताकि उन्हें दिल्ली, लखनऊ या जयपुर जैसे बड़े शहरों में न जाना पड़े। यह उपलब्धि हमारे चिकित्सकों की तकनीकी दक्षता और समर्पण का प्रमाण है। एसएन मेडिकल कॉलेज में इससे पहले पेसमेकर प्रत्यारोपण, मरिटाक एंजियोग्राफी और कई अन्य आधुनिक चिकित्सीय तकनीकें सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी हैं। अब माइट्रल वाल्वोटॉमी की सफलता ने क्षेत्र को हृदय रोग उपचार के काले में एक नई पहचान दिलाई है। यह सफलता न केवल एसएन मेडिकल कॉलेज, बल्कि पूरे ब्रज मंडल के लिए एक बड़ा विजय है, जिससे हजारों हृदय रोगियों को बिना चीर-फाड़ के जीवन बचाने का नया भरोसा मिलेगा।

आगरा के वाटर वर्क्स चौराहे पर छाता लेकर यातायात संभालते रहे ट्रैफिक पुलिस कर्मी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। रक्षाबंधन का दिन जहां एक ओर शहरभर में भाई-बहन के मिलन, मिठाइयों और राखी के रंग में डूबा रहा, वहीं दूसरी ओर आगरा ट्रैफिक पुलिस ने इस दिन को अपनी जिम्मेदारी के नाम कर दिया। सोमवार को सुबह से ही शहर में रुक-रुक कर तेज बारिश होती रही। कई जगह सड़कों पर पानी भर गया, जिससे यातायात को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो गया। इस बीच, वाटर वर्क्स चौराहा - जो शहर के सबसे व्यस्त और संवेदनशील यातायात बिंदुओं में से एक है-पर ट्रैफिक पुलिस के जवान पूरी मुस्तैदी से तैनात रहे। टीएसआई और अन्य कर्मियों ने बारिश से बचने के लिए हाथ में छाता थामे रखे थे, लेकिन पैरों के नीचे लगातार बहते पानी और ऊपर से बरसते बादल भी उनके हौसले को कमजोर नहीं कर पाए। त्योहार के कारण बाजारों और मुख्य



सड़कों पर सामान्य दिनों से कहीं ज्यादा भीड़ थी। भाई-बहन एक-दूसरे के घरों तक पहुंच सकें और यातायात सुचारु रूप से चलता रहे, इसके लिए पुलिसकर्मी घंटों खड़े होकर वाहन संचालन करते रहे। बारिश के दौरान कई बार दृश्यता कम होने और फिसलन के कारण हादसों की आशंका बढ़ जाती है, लेकिन सतर्क तैनाती से किसी बड़ी घटना को होने से रोका गया। वाटर वर्क्स चौराहे के अलावा राजपुर चुंगी और जीवनी मंडी जैसे प्रमुख स्थानों पर भी ट्रैफिक पुलिस पूरी तरह सक्रिय रही। त्योहार के मौके

पर अपनी ड्यूटी निभाते इन पुलिसकर्मियों को देखकर राहगीरों ने भी उनकी सराहना की। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कर उन्हें "वास्तविक हीरो" बताया। ट्रैफिक विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मौसम चाहे जैसा हो, और दिन चाहे त्योहार का हो या छुट्टी का - शहर की सड़कों पर यातायात की जिम्मेदारी कभी नहीं रुकती। रक्षाबंधन जैसे खुशी के दिन भी इन पुलिसकर्मियों ने अपनी प्राथमिकता जनता की सुविधा और सुरक्षा को ही बनाया, जो उनकी पेशेवर प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

चिकित्सक के उपचार से बिगडी ग्रामीण की हालत, मौत

मृतक के पुत्र ने चिकित्सक पर उपचार में लापरवाही का लगाया आरोप

चिकित्सक के विरुद्ध दी तहरीर, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

मोर्निंग सिटी संवाददाता



टेबलेट दी। गोली लेने के बाद उसके पिता की तबियत और अधिक बिगड़ गई। परिजन उसे उपचार को जिला अस्पताल लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने उसके पिता को मृत घोषित कर दिया। तहरीर में आरोप लगाया है कि संबंधित चिकित्सक द्वारा उपचार में लापरवाही बरते जाने की वजह से उसके पिता की मौत हुई है। इम्पेक्टर जगदीशचंद्र ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मामले में तहरीर भी मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

छोटी खबरें

रोडवेज बस की टक्कर से महिला की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सोरों कोतवाली क्षेत्र में शनिवार की सुबह रोडवेज बस की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई। महिला परिवारीजनों के साथ बाइक पर सवार होकर गंगा स्नान के लिए जा रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मौका मुआयना कर मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक शनिवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे सोरों में सहावर तिराहा पर आबैडकर मूर्ति के निचट रोडवेज बस की टक्कर से महिला की मौत की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटना स्थल का मौका मुआयना कर शव कब्जे में ले लिया। मृतका की शिनाख्त 70 वर्षीय रूपा देवी पत्नी मौतीराम निवासी मौंडगुद्दीनपुर थाना मारहरा जनपद एटा के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि परिजनों के साथ ट्रैक्टर ट्रॉली और बाइक से करीब 40 लोग कछला गांघा घाट पर नहाने जा रहे थे, रूपा देवी नाती की बाइक पर बैठी थी, तभी रोडवेज बस के चालक ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

मंदिर के गेट में प्रवाहित करंट से वृद्ध की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज/सोरों। कोतवाली सोरों क्षेत्र के गांव दतलाना पुख्ता में मंदिर के गेट में प्रवाहित करंट की चपेट में आकर एक वृद्ध की मौत हो गई। वह श्रावण मास की पूर्णिमा पर पूजा करने के लिए मंदिर गया था। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल लाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की है। परिजनों के मुताबिक श्रावण माह की पूर्णिमा पर शनिवार की सुबह करीब साव 11 बजे 60 वर्षीय सुगड सिंह पुत्र गजजू सिंह निवासी दतलाना पुख्ता अपने घर से पूजा अर्चना के लिए गांव में स्थित मंदिर पर गए। जैसे ही उन्होंने मंदिर में प्रवेश करने के लिए गेट पकड़ा, तभी गेट में प्रवाहित करंट ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। जब तक परिजनों ने उसे करंट से मुक्त कराया, तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी। इसे बाद परिजन उसे उपवार के लिए जिला अस्पताल लेकर आए।

एसपी अंकिता शर्मा ने एसओजी टीम की भंग, आठ पुलिस कर्मियों को भेजा पुलिस लाइन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अपराधों का जल्द खुलासा करने के लिए गठित एसओजी लगातार अपराधियों की कमर तोड़ने में लगी हुई है। कई बड़े बड़े खुलासे कर पुलिस ने अधिकारियों से लेकर स्थानीय लोगों के दिलों में भी अपनी जगह बनाई थी, लेकिन पिछले कुछ दिनों एसओजी टीम के प्रभारी और अन्य दो तीन टीम के पुलिस कर्मियों ने जिते की छवि को धूमिल करने का काम किया। इस पर एसपी का पारा चढ़ गया और उन्होंने पूरी टीम को भंग कर लाइन भेज दिया। एसपी अंकिता शर्मा लगातार भ्रष्ट पुलिस कर्मियों के खिलाफ हड़्डी कार्रवाई कर रही हैं। वह लगातार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में लगी है। पुलिस की छवि जतना में बेहतर बनाने का कदम दर कदम प्रयास कर रही हैं। सहावर में सरफार् कारोबारी से नाजायज तरीके से साढ़े तीन लाख रुपए लेकर छोड़ने के मामले विवादों के घेरे में फस गई। एसपी अंकिता शर्मा ने जांच के उपरांत एसओजी सिपाही पवन, पटियाली थाना में तैनात सिपाही सोदरन सिंह, पटियाली इंसपेक्टर रामवकील, एस ओजी प्रभारी विनय शर्मा, व्यापरी नेता भूपेंद्र सिंह पर कार्रवाई की थी। शनिवार की सुबह एसपी ने पूरी एसओजी की टीम को भंग कर लाइन में भेज दिया है। लाइन भंगे गये एस ओजी के पुलिस कर्मियों में बाबूसिंह, बुजभानन, दिनेश, गिरांज, राकेश कुमार, प्रदेव सिंह, राहुल चेवरी, चालक राजेश कुमार शामिल हैं। एसपी की इस कार्रवाई से पुलिस कर्मियों में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं कानून व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जगी है।

फांसी पर लटका मिला था युवती का शव, मामले में अभी 12 लोग फरार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/बेवर। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती की दुर्कर्म के बाद हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस मामले में अभी 12 लोग और फरार हैं, जिनमें मुख्य आरोपी का पिता, सगा भाई भी शामिल है। पुलिस इन सभी की तलाश कर रही है। बेवर थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार को 24 वर्षीय युवती का शव कम्परे में फंसे पर लटका मिला था। मृतका के भाई ने गांव निवासी प्रशांत पांडेय पर बहन के साथ दुर्कर्म व हत्या करने का आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रशांत पांडेय, उसके भाई निशान्त पांडेय, पिता द्वेदेश पांडेय सहित 13 लोगों पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया। शुक्रवार दोपहर पुलिस ने एक सूचना पर मुख्य आरोपी प्रशांत पांडेय को नवीगंज ओवरब्रिज के पास से गिरफ्तार करने के बाद जेल भेजा है। प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह फंसे पर लटकने (हैंगिंग) बताई गई है। दुर्कर्म की पुष्टि के लिए स्लाइड रिपोर्ट आने का इंतजार है। मुकदमे में नामजद शेष आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा।

दौड़ी निशुल्क रोडवेज बसें, महिला यात्रियों की उमड़ी भीड़

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। रक्षाबंधन पर मायके जाने वाली बहनों के लिए रोडवेज ने शुक्रवार सुबह छह बजे से मुफ्त यात्रा सेवा शुरू कर दी। यह सेवा आज और कल रात 12 बजे तक जारी रहेगी। मुफ्त यात्रा का लुत्तु रोडवेज की बसों में हजारों बहनों ने पहले दिन उठाया। आज रक्षाबंधन के त्योहार पर यात्रियों की संख्या बढ़ने पर परिवहन निगम के दावों की परीक्षा होगी।भाई-बहन के अटूट प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार आज यानी शनिवार को मनाया जाएगा।।

जिसे नाजों से पाला, उस बेटे ने ही गोली मारकर करा दी हत्या

पुरानी रंजिश के तहत गांव के ही लोगो को फंसाना चाहता था बेटा

पुलिस ने हत्यारोपी दंपति सहित चार को भेजा जेल, तमंचा, कारतूस वरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। भोगांव थाना क्षेत्र के नगला मधु में एक अगस्त की रात कृपाल सिंह की हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं बल्कि उनके बेटे ने पत्नी के साथ मिलकर कराई थी। पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। घटना के पीछे नामजद लोगों से रंजिश को वजह बताया है।

एसपी सिटी अरुण कुमार सिंह ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में कृपाल सिंह हत्याकांड को खुलासा करते हुए बताया कि एक अगस्त की रात नाला मधु निवासी कृपाल सिंह की सीने में गोली मारकर हत्या की गई थी। इसका केस मृतक की बहू शैलेंद्री ने दर्ज कराया था। इसमें गांव के रहने वाले शीलू सिंह, अभिषेक, रमेश व अज्ञात को नामजद किया गया था। पुलिस की जांच में पता चला कि जिन लोगों को हत्या का आरोपी बनाया गया है, उन लोगों की मृतक कृपाल सिंह के पुत्र सहदेव व अन्य परिवार के लोगों से रंजिश चली आ रही है, उनके बीच मुकदमेबाजी चल



रही है। गहनता से जांच करने पर पता चला कि हत्या मुकदमे में नामजद किए लोगों ने नहीं बल्कि कृपाल सिंह के बेटे सहदेव ने अपनी पत्नी शैलेंद्री व गांव में रहने वाले दो सगे भाई अनिल कुमार और सतीश कुमार के साथ मिलकर की थी। एसपी सिटी ने बताया कि साक्ष्य एकत्र करने के बाद शुक्रवार को सतीश, अनिल, सहदेव और शैलेंद्री को जीटी रोड नगला मधु के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। सख्ती से पूछताछ करने पर उक्त लोगों ने कृपाल सिंह की हत्या किए जाने का अपराध कबूल किया। सतीश की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त तमंचा व खोखा कारतूस बरामद कर लिया गया।

एक तीर से दो निशाना, संपत्ति भी कब्जे में और रंजिश भी पूरी

पुलिस को पुछताछ में मृतक कृपाल सिंह के हत्यारोपी बेटे सहदेव और उसकी पत्नी शैलेंद्री व अनिल और सतीश ने बताया कि गांव के रमेश, शीलू, अभिषेक और

अंजट सिंह से उनका झगड़ा था। इन लोगों ने उन्हें एक युवती से संबंध होने के मामले में अप्रैल 2025 में पीटा था। मुकदमा भी दर्ज कराया था। सतीश और अनिल ने बताया कि उनके पिता दुर्बीन सिंह से भी रमेश और अंजट सिंह से जानलेवा हमला का मुकदमा चल रहा था। इस मामले में वह जेल भी जा चुके हैं। पिता दुर्बीन की मृत्यु हो चुकी है। सहदेव ने बताया कि अनिल और सतीश की रंजिश के बारे में उनको जानकारी थी। इसलिए उनको भी इस प्लान में शामिल किया। दोनों का दुश्मन एक ही था। एक अगस्त की रात सतीश ने घर में चारपाई पर सो रहे पिता कृपाल सिंह के सीने में तमंचे से गोली मारी थी। इस दौरान सहदेव घर के बाहर निगरानी कर रहा था। हत्या के बाद सतीश घर चला गया। उसकी पत्नी ने सांजिश के तहत विपक्षियों के खिलाफ ससुर की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। इस हत्या से उनकी रंजिश भी पूरी हो गई और पिता की संपत्ति पर कब्जा भी आ गया।

जानलेवा हमला के मामले में सात अगस्त को होनी थी गवाही

आरोपी भाई सतीश और अनिल जानलेवा हमले के मामले में जमानत पर थे। इस मामले में सात अगस्त को न्यायालय में रमेश की गवाही होनी थी। आरोपी मुकदमे से बचना चाहते थे। हत्या करने के बाद सहदेव, अनिल के साथ ट्रक पर चला गया था।

विद्युत करंट से युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

सबमर्सिबल चालू करते समय स्टार्टर में प्रवाहित करंट ने लिया चपेट में

पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सोरों कोतवाली क्षेत्र के ताखरू गांव में बीती देर रात घर में लगी सबमर्सिबल को स्टार्ट करते समय स्टार्टर में प्रवाहित करंट ने एक युवक को अपनी चपेट में ले लिया। करंट से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

परिजनों के मुताबिक ताखरू गांव निवासी 35 वर्षीय बबलू पुत्र देफंदार सिंह शुक्रवार की रात करीब 12 घर मॉ लगी सबमर्सिबल को चलाने के लिए उठा। जैसे



ही उसने स्टार्टर को हाथ लगाया, स्टार्टर में प्रवाहित करंट ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। कुछ देर करंट की चपेट में रहने के बाद वह गिर पड़ा। अचानक गिरने की आवाज सुनकर परिवार के लोग दौड़कर पहुंचे। तब तक बबलू की मौत हो गई। शनिवार की सुबह परिवारीजनों ने पुलिस को पूरे मामले से अवगत कराया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और घटना स्थल का मौका मुआयना किया।। पुलिस ने पंचनामा के बाद मृतक के शव को पंचनामा के बाद मृतक के शव को पुलिसमंवल को चलाने के लिए उठा। जैसे

जिलाधिकारी प्रणव सिंह ने सहावर गेट स्थित वृद्धा आश्रम में पहुंच कर मनाया त्योहार और वृद्धो का जाना हाल-चाल

माता और बहनों से राखी बनवाकर लिया आशीर्वाद और वृद्ध आश्रम में रह रहे माता बहनों में खुशी की लहर

जिलाधिकारी प्रणव सिंह ने वृद्धा आश्रम में बने हुये खाने को स्वयं खा कर चेक किया

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि समय समय पर वृद्धा आश्रम का निरीक्षण किया जाये

साफ सफाई की व्यवस्था को दुरुस्त करने एवं सीसीटीवी कैमरा लगा रहे सुचारु रूप से संचालक भी हो

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणव सिंह ने सहावर



गेट नई हवेली स्थित वृद्धा आश्रम में रक्षाबंधन के पर्व पर पहुंच कर मनाया त्योहार और वृद्धो का जाना हाल-चाल। जिलाधिकारी ने खाद्य पदार्थों, मसालों की जांच वृद्ध आश्रम में बना हुआ खाना स्वयं खा कर चेक किया खाना सही पाया गया उन्होंने सवासियों से उनकी समस्याओं के बारे में

पूछा अधिकारियों को निर्देशित किया कि बुजुर्गों का सही ढंग से ख्याल रखा जाये इसमें कोई भी लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने वृद्धजनों के विशेष सुरक्षा व देखभाल के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने वृद्धाओं का हालचाल पूछा और वहां उपस्थित आश्रम के सम्पादक को निर्देश दिये कि आश्रम में जितने भी बुजुर्ग निवास कर रहे हैं उनका समय समय पर देखभाल उनकी जांच एवं प्रतिदिन थर्मल स्कैनिंग के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधित सभी जानकारीयां लेते रहें। उन्होंने कहा कि नाश्ता, भोजन, दवा व सभी सामान बुजुर्गों को समय पर उपलब्ध कराया जाए, जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि वृद्धाश्रम का समय-समय पर निरीक्षण करते रहे। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने मनाया रक्षाबन्धन का पर्व

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक समेत अनेक पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को बांधी राखी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। रक्षाबन्धन के अवसर पर ब्रह्माकुमारी सेवा केन्द्र की बहनों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच कर रक्षाबन्धन का त्यौहार मनाया। सेवा केन्द्र प्रभारी बीके सरोज दीदी ने रक्षाबन्धन का आध्यात्मिक रहस्य भी स्पष्ट करते हुए कहा कि टूटती पवित्र सामाजिक तथा पारिवारिक मर्यादाओं को मजबूत करने तथा आतंकवाद और अत्याचार जैसी भीषण विभीषिका को रोकने के लिए रक्षाबन्धन के पर्व को सही अर्थों में मनाने की आवश्यकता है। संसार के रचयिता कल्याणकारी परमपिता परमात्मा के हम आत्मायें सब आपस में भाई-बहन हैं। इसलिए भाषा-भेद, जाति, वर्ण, रंग और धर्म से ऊपर उठकर हर एक को राखी बांधकर बुराइयों से स्वयं की तथा दूसरों की रक्षा का मजबूत संकल्प करना है। तभी सद्भावना और शान्तिपूर्ण संसार का निर्माण हो सकता है। हमें इस दिन से अपने जीवन के किसी एक दुर्गुण को छोड़ने का दृढ़ संकल्प करना चाहिए। यही रक्षाबन्धन का संदेश है। इस अवसर पर राखी के प्रतिदान



स्वरूप में सभी से किसी एक अवगुण को हमेशा के लिए त्याग देने की प्रतिज्ञा भी करावई गयी। सभी को रक्षाबन्धन का पवित्र सूत्र बांधा, मस्तक पर आत्म स्मृति का तिलक लगाया तथा प्रभु प्रसाद दिया गया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने कासगंज जिलाधिकारी प्रणय सिंह, पुलिस अधीक्षक बहन अंकिता शर्मा, अपर

पुलिस अधीक्षक राजेश भारती, मुख्य विकास अधिकारी सचिन समेत अनेक अधिकारियों तथा रेलवे स्टेशन अधीक्षक नरेन्द्र कुमार मिश्र, स्टेशन मास्टर महाराज सिंह, बहन पुत्र नगरपालिका अध्यक्ष शशिलता चैहान, दिनकर राव चतुर्वेदी, नवल कुलश्रेष्ठ, विनय जैन, कमल जैन सुबोध करबिन्दर,

सुजावलपुर से बरेठी नगला सड़क की खस्ता हालत, तत्काल मरम्मत की मांग



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पटियाली तहसील के समाजसेवी एवं अधिवक्ता अब्दुल हफीज गांधी ने ग्रामीणो के साथ प्रदर्शन कर एवं अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग कासगंज को पत्र लिखकर सुजावलपुर से बरेठी नगला के बीच स्थित सड़क की बदहाल स्थिति पर चिंता जताई है।

उन्होने बताया कि यह सड़क गंजडुंडुवारा के सबीना कॉम्प्लेक्स से समसपुर, बस्तर होते हुए सुनगढी थाने तक जाती है, लेकिन जगह-जगह जलभराव और गहरे गड्ढों के कारण इसकी हालत अत्यंत जर्जर हो चुकी है। इससे किसी भी समय गंभीर सड़क दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी इस विषय को उठाया गया था और जानकारी के अनुसार इस

सड़क के निर्माण का प्रस्ताव बनाकर लखनऊ भेजा जा चुका है, जो धन आवंटन की प्रतीक्षा में है। वहीं उन्होंने विभाग से आग्रह किया कि धन आवंटन तक प्रतीक्षा करने के बजाय, फिलहाल सड़क पर मिट्टी या रवोश डालकर इसे समतल किया जाए, ताकि आवागमन सुगम हो सके और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो।

10 मिनट में पति पर बरसाए ताबड़तोड़ 15 थप्पड़ ललितपुर में मोबाइल तोड़ने पर बीच चौराहे हंगामा, पत्नी आधे घंटे पीटती रही

ललितपुर

ललितपुर में पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो गया। पति ने पत्नी का मोबाइल तोड़ दिया, तो वह बीच चौराहे पुलिस के सामने ही पति को पीटने लगी। 10 मिनट में पति पर ताबड़तोड़ 15 थप्पड़ बरसा दिए। 12 बार बाल पकड़कर घसीटा। लात-घुसे बरसाए। आधे घंटे तक बेरहमी से पीटती रही और गालियां देती रही।

पुलिसकर्मियों ने रोकने का प्रयास किया, तो उनसे भी भिड़ गई। इसके बाद महिला पुलिस का बुलाकर दोनों को चौकी ले जाया गया। जहां सुलहनामा कराने के बाद दोनों को उनके घर भेज दिया गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। घटना कोतवाली सदर क्षेत्र के मोहल्ला इलाइट चौराहे की शनिवार की है।

पति-पत्नी दोनों नशे में धुत थे। पति पर मोबाइल तोड़ने का आरोप लगाते हुए पत्नी बीच चौराहे उसे बुरी तरह पीट रही थी। चौराहे पर तैनात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे



और बीच-बचाव करने की कोशिश की। इस पर महिला उनसे भी उलझ गई। पुलिस के सामने ही अपने पति पर लात-घुसे चलाने लगी। मारने के लिए बड़ा-सा पत्थर उठाया, तो पुलिसकर्मियों ने उसे छीन लिया। इसी बीच किसी ने मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वीडियो में पत्नी ने बताया कि उसका नाम सावित्री सेंगर है। वह बंशीपुरा मोहल्ले की रहने वाली है। महिला ने बताया कि युवक उसे मध्यप्रदेश के ग्वालियर से भगाकर ले आया था। दोनों इससे पहले इंदौर में रहते थे। कुछ समय पहले ललितपुर में आकर किराए के

पटियाली सीओ बने एसएसपी, एसपी ने दी बधाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद के पटियाली में तैनात सीओ संतोष कुमार को एसएसपी के पद पर पदोन्नत किया गया है। बता दें कि सीओ संतोष कुमार वर्तमान में सीओ पटियाली के पद पर तैनात है, संतोष कुमार वर्ष 2010 में भर्ती हुए। माह अगस्त-2025 में सीओ से एसएसपी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। प्रोन्नति आदेश के तहत शनिवार को एसपी अंकिता शर्मा, एसएसपी राजेश भारती ने संतोष कुमार को प्रतीक चिन्ह लगाकर प्रोन्नति की शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान सीओ सहावर शाहिदा नसरीन मौजूद रही।

जुआ खेलते तीन जुआरी पकड़े

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। गंजडुंडुवारा कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र में जुआ खेलते हुए तीन जुआरियों को पकड़ा है। जुआरियों के पास से पुलिस ने 4540 रुपये की नकदी, ताश गद्दी बरामद की है। पुलिस ने जुआरियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की है। इस्पेक्टर ने बताया कि सटीक जानकारी पर एसआई डिप्टी सिंह ने यूके लिटस के बाग में जुआ खेलते हुए भूरा पुत्र अब्दुल हकीम, रेहान पुत्र समसुल, अब्दुल रहमान पुत्र अब्दुल हसन निवासीगण नई बस्ती सुजावलपुर को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया है।

एसपी ने थाना प्रभारियों में किया फेरबदल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। एसपी अंकिता शर्मा ने जनपद के थाना प्रभारियों में फेरबदल किया है। इस संबंध में उन्होंने पत्र भी जारी किया है और सभी को अपने नए तैनाती स्थल पर पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। एसपी अंकिता शर्मा द्वारा जारी किए गए पत्र के अनुसार कासगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक लोकेश भाटी को पटियाली थाना प्रभारी बनाया गया है। सहावर इस्पेक्टर प्रवेश राणा कासगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बनाए गए हैं। इस्पेक्टर समन कुमार गोस्वामी सहावर थाना प्रभारी बनाए गए हैं। इस्पेक्टर गोपाल सिंह को प्रभारी मॉनिटरिंग सेल के साथ-साथ आईजीआरएफ सेल के दायित्वो निभाने की भी जिम्मेदारी सीपी है।

परिवार खोने वाली आराध्या को पांच लाख रुपये का चैक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। बेवर थाना क्षेत्र के जीटी रोड हाईवे पर ग्राम नगला ताल के पास एक अगस्त को हुए भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत और गंभीर रूप से घायल हुई 11 वर्षीय आराध्या को मुख्यमंत्री राहत कोष से 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद मिली है। इस दुर्घटना में आराध्या ने अपने माता-पिता और परिवार के तीन अन्य सदस्यों को खो दिया था। ज्ञात हो कि मूलरूप से हरीपुर कैथलीन गांव और हाल निवासी आवास विकास कॉलोनी, छिब्रामऊ, कनोज के दीपक (36), उनकी पत्नी पूजा (34), बेटियां आशी (9), आर्या (4) और बहन सुजाता (50) और आराध्या (11) कार में बैठी थी। दीपक कार चला रहे थे। दीपक व उनका परिवार आगरा में भतीजी काय्य चौहान का जन्मदिन मनाकर छिब्रामऊ लौट रहा था। जीटी रोड हाईवे पर ग्राम नगला ताल के पास हाईवे पर बारिश के कारण हुए जलभराव का पानी बगल से गुजरे एक ट्रक के पहियों से उछलकर दीपक की कार के अगले शीशे पर गिरा। इससे दीपक की कार अनियंत्रित होकर हाईवे की कानपुर-दिल्ली लेन पर डिवାଇडर को पार करते हुए जा पहुंची। उस लेन पर गईर से लदे एक ट्रोला से टकरा गई। हादसे में 11 वर्षीय आराध्या गंभीर रूप से घायल हो गई। अन्य सभी की मौके पर ही मौत हो गई। आराध्या का इलाज सैफई मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए, छिब्रामऊ की विधायक अर्चना पांडेय और पर्यटन मंत्री जयवंशी सिंह ने मुख्यमंत्री राहत कोष से सहायता राशि स्वीकृत कराने का प्रयास किया। शुक्रवार को विधायक अर्चना पांडेय और पर्यटन मंत्री जयवंशी सिंह के प्रतिनिधि अतुल प्रताप सिंह ने सैफई पहुंचकर आराध्या को 5 लाख रुपये का चेक सौंपा। इस दौरान छिब्रामऊ के एसडीएम च्यांदन द्विवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान, शेखर चौहान और अन्य लोग भी मौजूद रहे।

रक्षाबंधन पर सड़क हादसे में तीन भाईयों की मौत

बहनें बोली अब किसे बांधूंगी राखीं, लाशें देख बेहोश हुई बहनें; मचा चीत्कार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

एटा। जनपद में अलग-अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में केब चालक सहित 3 लोगों की मौत हो गई। दो लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। वहीं दूसरे की उपचार के बाद छुट्टी कर दी गई।

गांव दैकली थाना ढोलना जिला कासगंज निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि भतीजा अजय (26) दिल्ली में रहकर ओला कंपनी की टैक्सी कार चलाता था। वह शुक्रवार की देर रात वहां से चला तो रिजोर थाना क्षेत्र के गांव गुलालपुर उर्फ नगला बाचा निवासी सहवीर सिंह (40) सवारी के रूप में मिल गया। वह भी दिल्ली में रहकर निजी कंपनी में नौकरी करता था। इसी थाना क्षेत्र के गांव फफोटु निवासी आराम सिंह और अतर सिंह निवासी



मनकापुर थाना सोरों जिला कासगंज भी मिल गए। सभी लोग टैक्सी में बैठकर रक्षाबंधन मनाने के लिए घर आ रहे थे। टैक्सी शनिवार सुबह लगभग 6 बजे अवागढ़ थाना क्षेत्र में चुरथरा चौराहे के पास पहुंची। चालक को नींद की झपकी आ जाने से वह अज्ञात वाहन से टकरा गई।

दुर्घटना होते ही कार में चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इन्होंने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अवागढ़ पहुंचाया गया। यहां चिकित्सक ने अजय को मृत घोषित कर दिया। कुछ देर चले उपचार के

बाद सहवीर की भी सांसें थम गईं। गंभीर रूप से घायल आराम सिंह का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

अतर सिंह को सेहत में सुधार होने पर घर भेज दिया गया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है।

कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार दंपति की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। जनपद के लोधा के अंतर्गत दिल्ली-कानपुर हाईवे पर 9 अगस्त की सुबह करीब चार बजे गांव शाहपुर कुतुब के पास कंटेनर ने बाइक सवार दंपती को कुचल दिया। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। वह रक्षाबंधन पर गुरुग्राम से एटा जनपद जा रहे थे। रोरावर थाना पुलिस से खबर मिलने के बाद उनके परिजन अलीगढ़ आ गए और पोस्टमार्टम के बाद शव अपने साथ ले गए हैं।

जनपद आगरा के रामबाग टेड़ी बगिया निवासी प्रमोद कुमार (45) अपनी पत्नी सुमन (34) और बच्चों सहित गुरुग्राम में रहते थे। उनके बेटे कुणाल ने बताया कि रक्षाबंधन पर मां को साथ लेकर उनके पिता मां के मायके गांव सकौट जनपद एटा जा रहे थे। दिल्ली-कानपुर हाईवे पर गांव शाहपुर कुतुब के पास आगे जा रही बाइक में पीछे से तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी। इससे उनके माता-पिता की मौके पर मौत हो गई। हादसा होते ही स्थानीय लोग दौड़कर पास पहुंचे और रोरावर थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पर



पहुंचे पुलिस कर्मियों ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बाइक की नंबर प्लेट की ऑनलाइन जांच कर पंजीकरण में दर्ज मोबाइल नंबर पर रोरावर पुलिस ने दंपती की मौत की खबर परिवार को दी। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर कुणाल ने दोनों शव की शिनाख्त अपने माता-पिता के रूप में की।

रोरावर थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने बताया कि कंटेनर की कब्जे में लेकर थाने में खड़ा करा दिया गया है। कंटेनर चालक हिरासत में है। परिवार की ओर से अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आईटीआई में चौथे चरण में प्रवेश के लिए 11 से हो सकेंगे नए आवेदन

राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद ने सत्र 2025-26 के लिए राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में चौथे चरण में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। तीसरे चरण की चयन सूची के आधार पर 07 अगस्त तक प्रवेश की कार्यवाही पूरी हो गई है। इसके बाद बची हुए सीटों पर यह प्रक्रिया की जाएगी। व्यावसायिक शिक्षा कोशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के विशेष सचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों का तीन चरण में चयन नहीं हुआ या चयन के बाद भी प्रवेश नहीं हो पाया, वे 11 से 15 अगस्त रात 12 बजे तक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पहले से पंजीकृत अभ्यर्थी नए विकल्प भर सकते हैं, जबकि नए अभ्यर्थियों को पंजीकरण कर आवेदन करना होगा। आवेदन शुल्क सामान्य/पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 250 तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 150 रुपये निर्धारित किया गया है। शुल्क का ऑनलाइन भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंस्टेंट बैंकिंग या यूपीआई के माध्यम से किया जा सकता है। विशेष सचिव ने सभी प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया है कि वे अपने संस्थान में व्यवसायिक खाली सीटों की जानकारी सूचना पट पर प्रदर्शित करें, ताकि अभ्यर्थी अपनी आवश्यकता के अनुसार विकल्प भर सकें।

भाजपा के इशारे में काम कर रहा चुनाव आयोग

अखिलेश ने सैफई में चुनाव आयोग पर साधा निशाना

मोर्निंग सिटी संवाददाता

इटावा। भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग ने उपचुनाव में वोटों की डकेती डाली थी या कहें वोटों का अहड़ण कराय़ा था। यह आरोप शनिवार को सैफई में रक्षाबंधन मनाने आए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए लगाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग न्याय करेगा या नहीं करेगा इस पर पूरी बहस होनी चाहिए। कहा कि विधानसभा के उपचुनाव में सबसे ज्यादा ममनानी की गई। सभी अधिकारियों ने भाजपा सरकार के इशारे पर उनके पक्ष में वोट डलवाए। कुंदरकी, मीरापुर और फैजाबाद में हुए उपचुनाव उदाहरण हैं। ऐसे वीडियो भी सामने आए थे, जिनमें एक-एक व्यक्ति छह-छह वोट डाकते दिखाई दे रहा था। एक व्यक्ति ऐसा भी पकड़ा गया था जो दूसरी जगह से वोट डालने



आया था। बताया कि भाजपा के इशारे पर अधिकारियों ने सपा के वोटरों की सूची से काट दिया था। कहा कि जब सपा ने इसकी शिकायत आयोग में की थी तो आयोग ने मुझसे सूची मांगी थी। मैंने 18 हजार लोगों की सूची भी उपलब्ध कराई थी, जिनके नाम बिना वजह काट दिए गए लेकिन

आज अमेरिका से धमकियां नहीं डेलनी पड़तीं। कहा चीन से भी संबंध खराब हो गए हैं। पुलिस पर निशाना साधते हुए कहा कि डीजीपी और सरकार से कई बार टॉप टैन अपराधियों की सूची मांगी लेकिन अभी तक नहीं दी गई। जब तक सूची सामने नहीं आती है तब तक भाजपा सरकार खुद माफिया है।

यूपी में भारी मानसूनी बारिश जारी... 24 जिले बाढ़ की चपेट में

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में भारी मानसूनी बारिश लगातार जारी है। प्रयागराज, वाराणसी, बदायूं, उन्नाव, कानपुर समेत उत्तर से दक्षिण तक प्रदेश के लगभग 24 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मौसम विभाग की मानें तो बारिश से फिलहाल एक हफ्ते राहत की उम्मीद नहीं है।

बंगाल की खाड़ी में उठी हलचल और उत्तरी उड़ीसा में चक्रवाती परिसंचरण के असर से 11 अगस्त से दोबारा प्रदेश के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश का दौर शुरू होने के संकेत हैं। शुक्रवार को गोंडा, बहराइच, लखीमपुर खीरी, बानबंकी, अयोध्या आदि जिलों में घनघोर बारिश देखने को मिली।

गोंडा में सर्वाधिक 210 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। वहीं अयोध्या में 170 मिमी, बहराइच और सुल्तानपुर में 160 मिमी बारिश हुई।



9 व 10 अगस्त को पश्चिमी यूपी में अच्छी बारिश के आसार हैं। शनिवार को प्रदेश के 30 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। वहीं 40 जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका है।

यहां है भारी बारिश की संभावना- बांदा, चित्रकूट, फतेहपुर, लखीमपुर खीरी, फरखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, विजनौर, सुनदाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, महोबा, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में।

मथुरा में बाढ़ जैसे हालात...सड़कों पर बह रहा यमुना का पानी, तीन गांव खाली करने के निर्देश

मथुरा

यमुना में उफान से मथुरा में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। 24 से अधिक गांवों में नदी का पानी घुस गया है। तीन गांवों को खाली करने के निर्देश ग्रामीणों को दिए गए हैं। हालात ये हैं कि नदी का पानी सड़कों पर तीन से चार फीट तक बह रहा है।

उत्तर भारत में मानसून की तीव्रता का असर मथुरा यहां की यमुना नदी पर साफ दिखने लगा है। लगातार बढ़ते जलस्तर से शनिवार को नौहड्डील क्षेत्र के कई गांवों में पानी घुस गया। 24 से ज्यादा गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। अधिकारियों ने अति संवेदनशील



तीन गांवों को खाली कराने को कहा है, लेकिन ग्रामीण यहां से जाने से मना कर रहे हैं। नौहड्डील-छाता मार्ग पर चार-चार फीट पानी बहने लगा है। राहगीर पानी में से होकर गुजर रहे हैं। यमुना किनारे बसे गांवों में दहशत का माहौल है। वृंदावन और शेरगढ़ के कुछ क्षेत्रों

का भी यही हाल है। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में सुरीर, नौहड्डील, मथुरा शहर, वृंदावन, महावन, बलदेव आते हैं। इन क्षेत्रों के दर्जनों गांव व कॉलोनियां यमुना के किनारे बसी हैं, जहां बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। हालांकि शनिवार को नौहड्डील क्षेत्र के 24

से अधिक गांवों में यमुना का पानी घुस गया। नौहड्डील-छाता जाने वाले मार्ग पर चार-चार फीट पानी बहने लगा। गंतव्य तक जाने के लिए राहगीरों को पानी से होकर गुजरना पड़ा। मार्ग पर दिनभर जाम जैसे हालात बने रहे। ऐसे में राखी बांधने जा रही बहनों के साथ-साथ राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ी।

शाम को पुलिस ने मार्ग के दोनों ओर बैरिकेडिंग करके बंद कर दिया। शेरगढ़ क्षेत्र का भी यही हाल रहा। यमुना से सटे गांवों में पानी पहुंच गया। इससे किसानों की धड़कनें बढ़ गई हैं। आने-जाने वाले मार्ग भी अवरुद्ध हो गए हैं। ताजेवाला से आ रहे पानी को

गोकुल बैराज के गेट खोलकर लगातार छोड़े जाने से यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बीते 24 घंटे में यमुना का जलस्तर 164.80 से बढ़कर 165.36 मीटर तक पहुंच गया है, जो चेतावनी बिंदु 165.200 मीटर से महज कुछ ही कम है।

सिंचाई विभाग अपर खंड के एक्सईएन नवीन कुमार ने बताया है कि शनिवार को ताजेवाला बैराज से 22311 क्यूसेक और ओखला बैराज से 40479 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जबकि मथुरा के गोकुल बैराज से 65860 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया है। इसके बावजूद शनिवार को यमुना का जलस्तर 165.36 मीटर पर रहा।

सड़क हादसे में ननद भौजाई सहित तीन की मौत

दो घायल, रक्षाबंधन मनाने जा रहीं थीं ननद-भौजाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। शहर के पिसावा-गोठनी मार्ग पर 9 अगस्त की दोपहर बाद करीब तीन बजे दो बाइकों में सामने से टक्कर हो गई। हादसे में ननद-भौजाई सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। दोनों महिलाएं रक्षाबंधन पर गांव जहांगीरपुर जा रही थीं।

गांव शाहपुर निवासी अजीत 9 अगस्त को बाइक पर अपनी पत्नी ममता को रक्षाबंधन पर उसके मायके जहांगीरपुर जिला गौतमबुद्धनगर लेकर जा रहे थे। अजीत की सलहज खुशी शाहपुर आई थी, जो साथ में जहांगीरपुर लौट रही थी। गांव से निकलते ही पिसावा-गोठनी मार्ग पर सामने से आ रहे जमालपुर गांव निवासी जहीर और अब्दुल रज्जाक की बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार पांचों लोग घायल गंभीर रूप से घायल हो गए। खबर पाकर अजीत के परिजन तत्काल तीनों को इलाज के लिए खुर्जा ले गए। वहां पहुंचते ही ममता (30) और खुशी (25) को



डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अजीत की हालत गंभीर बताई जा रही है। उधर सूचना पर पहुंची पुलिस गांव जमालपुर निवासी दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंडौस लेकर पहुंची। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। वहां पहुंचते ही जहीर (25)

को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अब्दुल रज्जाक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में तीन की मौत और दो लोगों के घायल होने से उनके परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल था। उनके गांव में भी शोक की लहर है। पिसावा थाना पुलिस का कहना है कि मामले में अभी तहरीर नहीं मिली है।

सवारियों से भरी बस पर लाठी-डंडों से हमला

युवकों ने की तोड़फोड़, मच गई चीखपुकार; चालक घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। बाह से सवारियां लेकर आगरा जा रही परिवहन निगम से अनुबंधित फाउंड्री नगर डिपो की बस में शनिवार की रात करीब 8रू30 बजे फतेहाबाद में दो युवकों ने जमकर तोड़फोड़ कर दी। हमले में बस चालक घायल हो गया। हमले से सहमी सवारियों ने बस से उतरकर बस को बचाया।

भोलपुरा कुंडील निवासी बस चालक प्रेम सिंह व परिचालक राजेश ने बताया कि बाह से 11 सवारियां लेकर आगरा जा रहे थे। जरूर से एक युवक शराब के नशे में बस में चढ़ गया। आरोप है कि बाबा की तिवरिया के पास बस में गाली गलौज करने लगा। इसका विरोध करते हुए बस में बैठे एक युवक ने उसे थपड़ मार दिया। इस पर आरोपी ने साथियों को फोन कर दिया। इसके बाद बस जैसे ही



कस्बा फतेहाबाद के पंडित दीनदयाल चौक पर पहुंची। आवाज देखकर उसने अपने साथी को लाठी-डंडे लेकर बुला लिया। बस में तोड़फोड़ कर दी। बस के कई शीशे टूट गए। चालक घायल हो गया। बस में बैठी सवारियों में चीख पुकार मच गई। सवारियों ने बस से बाहर निकलकर खुद को बचाया। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे

लोगों को देखकर बस में तोड़फोड़ करने वाले दोनों युवक फरार हो गए। गुस्साए चालक ने बस को पंडित दीनदयाल चौक पर बीच सड़क पर खड़ी कर दी। इससे जाम लग गया।

मामले की जांच की रहीं

सूचना पर पहुंची पुलिस ने

को समझाकर बस को सड़क किनारे कराय़ा। चालक ने पुलिस को बताया कि बस में तोड़फोड़ करने वाला युवक पूर्व में सीपनजी बस पर कंडेक्टर था। वह कस्बा फतेहाबाद का ही रहने वाला है।

थाना प्रभारी ने बताया कि बस में कुछ लोगों ने तोड़फोड़ की है। जांच की जा रही है।

बस में पीछे से घुसी बस, हेलपर की मौत

40 सवारी घायल, सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया



मोर्निंग सिटी संवाददाता

इटावा। कानपुर से दिल्ली जा रही निजी बस कानपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर महेवा के पास सवारियों उतार रही थी। इस बीच पीछे से आ रही बस आगे खड़ी बस में घुस गई।

हादसे में दोनों बसों के लगभग 40 यात्री चोटिल हो गए, जबकि पीछे से घुसी बस का चालक रोहित (25) और हेलपर दुर्गा श निवासी गांव भदेख थाना कुठौद जनपद

जालौन घायल हो गए। दोनों को सीपचसी महेवा ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने हेलपर दुर्गाश को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष बकेवर विपिन मलिक ने बताया कि हाईवे पर महेवा में खड़ी स्लीपर बस में पीछे दूसरी स्लीपर बस घुस गई थी। हादसे में पीछे वाली बस के हेलपर (25) और हेलपर दुर्गाश निवासी गांव भदेख थाना कुठौद जनपद

जालौन घायल हो गए। दोनों को सीपचसी महेवा ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने हेलपर दुर्गाश को मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष बकेवर विपिन मलिक ने बताया कि हाईवे पर महेवा में खड़ी स्लीपर बस में पीछे दूसरी स्लीपर बस घुस गई थी। हादसे में पीछे वाली बस के हेलपर (25) और हेलपर दुर्गाश निवासी गांव भदेख थाना कुठौद जनपद

रक्षाबंधन पर बेटा नहीं, आई उसकी लाश

दो दिन से लापता था युवक, परिजनों में कोहराम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। जगनेर थाना क्षेत्र के गांव सरेंधी से दो दिन पूर्व घर से लापता युवक का शव शनिवार की सुबह गांव के नजदीक कुएं में उतरता हुआ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों से सहायता से शव को बाहर निकाल लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जानकारी के अनुसार गांव सरेंधी निवासी युवक टीकम सिंह पुत्र ओमिलाल बृहस्पतिवार देर रात खाना खाकर घर से निकला था। तभी से लापता था। शुक्रवार को परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की परंतु टीकम का कहीं पता नहीं लगा। परिजनों ने शुक्रवार शाम को जगनेर पुलिस को टीकम के लापता होने की सूचना दी। पुलिस भी युवक



की खोजबीन में जुटी हुई थी। शनिवार सुबह तड़के गांव से करीब तीन सौ मीटर दूरी स्थित पानी पीने वाले कुएं में ग्रामीणों ने एक युवक का शव उतरता हुआ देखा। ये देख तमाम ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए।

पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे जगनेर थाना थानाध्यक्ष सौरभ सिंह ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाल लिया। ग्रामीणों ने मृतक की शिनाख्त लापता टीकम के रूप में कर ली। टीकम की मौत की सूचना पर

परिजन भी मौके पर पहुंच गए। वहीं परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार टीकम की 6 वर्ष पूर्व गांव अरदाया अछनेरा से विवाह हुआ था। मृतक के दो पुत्र नितिनऔर सुमित हैं।

थानाध्यक्ष सौरभ सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को घर से लापता हुए युवक शव कुएं में मिला है। युवक को दौरे पड़ने की बीमारी थी। उसका इलाज चल रहा था। विधिक कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

आंखें यकीनन व्यक्ति के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग हैं। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोगाणी को यूँ ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छा है—

कच्ची लाल शिमला मिर्च
शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदरुस्त बनाने में मदद करता है।

अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

सूरजमुखी के बीज और नट्स सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ—साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ—साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां
केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार

सब्जियों में विटामिन सी और ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जैक्सैथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

सैल्मन
आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा-3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है— डीएचए और ईपीए। आप फैटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी-फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन

फैटी एसिड के कम होने पर लोगों को ड्राई आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है। शकरकंद में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।



लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हाँ इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं भूनकर, हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाया जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वजित माना गया है। ये और बात है कि यंग जनरेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्पाउट्स की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शौकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है,

सलाद खाने का सही समय
सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेशन से संबंधित समस्याएं हो जाती हैं।

इतनी देर पहले खाएं
जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।



वेट रहता है कंट्रोल
सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर इटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

सलाद के तरीके
आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिस करते हैं और मसाला छिड़कर सेलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वॉइल करके सेलेड तैयार करना। इसमें सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई-सी भी सलाद खाएं आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

क्यों ना खाएं भोजन संग सलाद
सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रेसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्क्राइब या कंपेयर नहीं किया जा सकता।) जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

पाचन में अधिक समय
सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजैस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजैस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।



अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जाने कैसे करता है कामजड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करते हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, अफ्रीकन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फैट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद है। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिए,

अश्वगंधा का सेवन कैसे करें
वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहे तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिस कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलिज्म तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को बढ़ाएं
अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबॉलिज्म बढ़ता है। यह फैट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटों जिम में एक्ससाइज करते हैं और स्लो मेटाबॉलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

स्ट्रेस दूर कर घटाएं मोटापा
स्ट्रेस या कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कोर्टिसोल

बढ़ने की वजह से इंसान को बार बार भूख भी लगती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। तनाव से मुक्ति मिलते ही पेट की चर्बी घटने लगती है।

मांसपेशियां बनाने में
अश्वगंधा में ऐसे कई तत्व पाये जाते हैं जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। मसल्स मास बढ़ने से शरीर पर चर्बी नहीं जमती और वजन नियंत्रित रहता है।

इम्यूनिटी बढ़ा कर घटाएं मोटापा
अश्वगंधा में एंटी बैक्टीरियल गुण होता है जो शरीर की सूजन को कम करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है जिसके कारण शरीर पर अतिरिक्त वसा जमा नहीं होती है और वजन नियंत्रित रहता है। यही नहीं अगर शरीर में सूजन है तो यह उसको भी कम करती है क्योंकि इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।



पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।

वर्कआउट के लिये बढ़ाती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एड्रिनल ग्लैंड और कोर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है

अच्छी नींद लाएं
रात को अगर आप अधूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक्त आपको शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। तो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।



बैटल ऑफ गलवा के बाद सलमान खान को मिली बड़ी फिल्म

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवा को लेकर सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग के लिए वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में सलमान खान ने इस फिल्म का मोशन पोस्टर भी रिलीज किया है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान अभी इस फिल्म पर काम कर ही रहे हैं कि उनको एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिला है।

सलमान खान को मिली नई फिल्म
पिंकविला के मुताबिक सलमान खान को जो फिल्म मिली है वह पीरियड थ्रिलर फिल्म है। सलमान खान ने मलयालम निर्देशक महेश नारायणन के साथ कई मुलाकातें की हैं। अब सलमान खान महेश नारायणन के साथ पीरियड थ्रिलर फिल्म पर काम करने के लिए राजी हो गए हैं। यह फिल्म 1970 से लेकर 1990 के दशक में सेट की जाएगी।

फिल्म के लिए सलमान ने ली ट्रेनिंग
बताया जाता है कि सलमान खान इन दिनों अपने कॉफर्ट जॉन से बाहर निकल कर फिल्में करना चाहते हैं। इस फिल्म में भी वह जमकर मेहनत करने वाले हैं। इससे पहले खबरें आई थी कि सलमान खान ने बैटल ऑफ गलवा के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने घर के जिम में कई बदलाव किए थे। उन्होंने फिल्म में आर्मी का किरदार निभाने के लिए आर्मी की ट्रेनिंग ली थी।

बैटल ऑफ गलवा के बारे में
आपको बता दें कि सलमान खान जल्द ही फिल्म बैटल ऑफ गलवा में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन सीमा पर हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह सलमान खान के साथ अहम किरदार में होंगी। इससे पहले सलमान खान फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। यह फिल्म प्लॉप साबित हुई थी।



सन ऑफ सरदार 2 के बाद अब तेहरान में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी खिन्नर के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है। नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पढ़ें पर देखा पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है।



सारे जहां से अच्छा का ट्रेलर रिलीज, लास्ट वर्ल्ड वार को रोकने आगे आए प्रतीक

प्रतीक गांधी स्टारर जासूसी वेब सीरीज सारे जहां से अच्छा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। सोमवार को यह ट्रेलर नेटफ्लिक्स इंडिया ने रिलीज किया है। इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच झगडा और परमाणु संघर्ष की झलक दिखाई गई है।

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष की है कहानी
ट्रेलर में प्रतीक गांधी ने भारत के रॉ एजेंट का किरदार निभाया है। उन्हें भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में तैनात किया गया है। वह पाकिस्तान में होने वाली परमाणु गतिविधि को रोकने की कोशिश करते हैं। इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ता है।

प्रतीक गांधी पाकिस्तान में करते हैं संघर्ष
प्रतीक गांधी जैसे ही पाकिस्तान में राजनयिक मामलों के करीब पहुंचते हैं तो उनकी मुलाकात पाकिस्तान के आईएसआई एजेंट से होती है। इस किरदार को सनी हिंदुजा ने निभाया है। पाकिस्तान में प्रतीक गांधी जो कुछ भी करते हैं उनके दुश्मन उनकी हर गतिविधि पर नजर रखते हैं।

सारे जहां से अच्छा की स्टारकास्ट
ट्रेलर में गांधी और हिंदुजा के अलावा तिलोत्तमा शोम, कृतिका कामरा, रजत कपूर और अनूप सोनी को भी दिखाया गया है। सारे जहां से अच्छा सीरीज को गौरव युक्ता ने बनाया है।

सारे जहां से अच्छा की रिलीज डेट सामने आई
ट्रेलर में दिखाया गया है कि अगर भारत के एजेंट जरा सा भी चूके तो पाकिस्तान परमाणु जंग शुरू कर सकता है। ऐसे में भारतीय एजेंट को पाकिस्तानी दुश्मनों को परमाणु हथियार बनाने से रोकना होता है। लास्ट वर्ल्ड वार सीरीज में सभी किरदारों ने बेहतरीन कलाकारी की है। सारे जहां से अच्छा 13 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

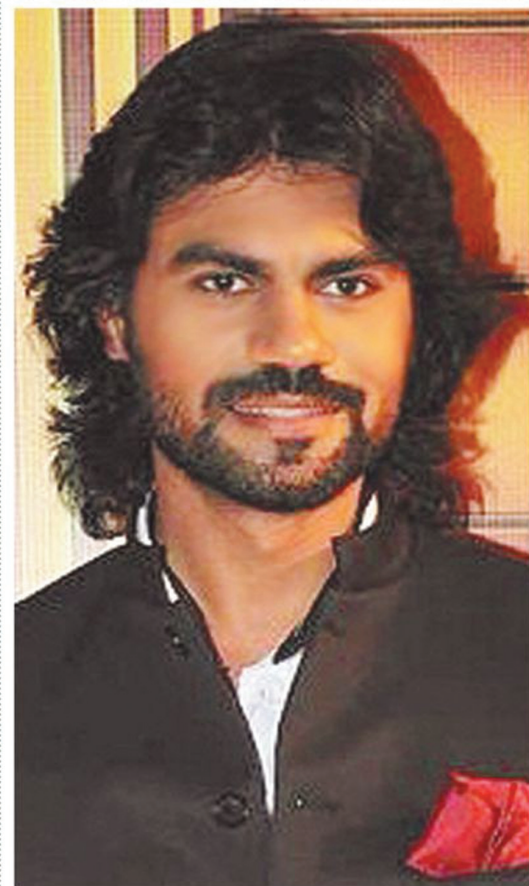


इम्रितयाज अली ला रहे नई फिल्म, 'साइड हीरोज' बनेंगे अभिषेक बनर्जी-अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा

अभिनेता अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा तीनों अलग-अलग फिल्मों में अपने-अपने किरदारों के लिए काफी मशहूर हैं। अब ये तीनों एक ही फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म को दिग्गज निर्माता-निर्देशक इम्रितयाज अली प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म का नाम 'साइड हीरोज' होगा।

मेकर्स ने शेरर किया फनी वीडियो
मेकर्स की ओर से एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेरर किया गया है। इस वीडियो में अभिषेक बनर्जी, अपारशक्ति खुराना और वरुण शर्मा इम्रितयाज अली के सामने बैठे हैं और उनसे काम मांग रहे हैं। इम्रितयाज बैठे कुछ सोच रहे हैं, तभी अपारशक्ति कहते हैं कि लगता है कि इम्रितयाज सर हमारे लिए एक म्यूजिकल रोमांटिक सोच रहे हैं। इसके बाद तीनों अपारशक्ति का गाना भी गुनगुनाते हैं। वीडियो में और भी मेकर्स बैठे हैं। इस दौरान इम्रितयाज कहते हैं कि फिल्म दो प्रकार की होती है या तो अपना लगे या फिर सपना लगे। तभी इम्रितयाज के पास उनके किसी पुराने दोस्त का फोन आता है। फोन पर इम्रितयाज और उसकी मजदूर बात होती है और अंत में वो इम्रितयाज को अपने वलास के री-यूनियन के बारे में बताता है और उस पर उन्हें बुलाता है। दोस्तों की री-यूनियन पर फिल्म लेकर आ रहे इम्रितयाज बात करने के बाद इम्रितयाज अली कहते हैं कि एक आइडिया है, दोस्तों पर फिल्म बनाते हैं। ये सुनकर अभिषेक, अपारशक्ति और वरुण शर्मा अपनी पिछली फिल्मों के किरदारों को याद करके दुखी हो जाते हैं और कहते हैं फिर से दोस्त। फिर इम्रितयाज कहते हैं वैसे वाले दोस्त जिनसे आप जिंदगी भर पीछा नहीं छोड़ सकते। इन दोस्तों का री-यूनियन। इसके बाद इम्रितयाज फिल्म का टाइटल बताते हैं 'साइड हीरोज'। ये सुनकर तीनों कहते हैं कि मम्मी को तो लीड एक्टर बनने का बताकर आए थे। इस तरह से फिल्म का टाइटल साइड हीरोज सामने आता है।

तीन दोस्तों की कहानी है 'साइड हीरोज'
सिद्धार्थ सेन और पंकज मल्हा द्वारा लिखित और संजय त्रिपाठी द्वारा निर्देशित 'साइड हीरोज' 2026 में फ्रेंडशिप डे पर रिलीज होगी। मेकर्स ने बताया कि फिल्म तीन बचपन के दोस्तों की कहानी है, जो कॉमेडी टच लिए हुए है। तीन दोस्त जो कई साल बाद एक री-यूनियन में फिर से मिलते हैं। 'साइड हीरोज' का निर्माण इम्रितयाज अली ने महावीर जैन, मृगदीप सिंह लांबा और रियान शाह के साथ मिलकर किया है। फिल्म



छोटे पर्दे पर एक्टर गौरव चोपड़ा ने एक लंबा वक्त बिताया है। टीवी शो उतरन में काम करने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वहीं फिल्मों में भी उनके काम को सराहा गया। पिछले कुछ सालों से वह छोटे पर्दे से दूर थे, लेकिन अब उन्होंने पुष्पा इंपीरियल से वापसी की है। आप पिछले कई साल से छोटे पर्दे से दूर हैं। इतने वक्त तक टीवी इंडस्ट्री से दूर रहने के पीछे क्या वजह रही? क्या आप किसी बदलाव के बारे में सोच रहे थे? सबसे पहली बात जो बतानी जरूरी है कि अगर किसी एक मीडियम में, किसी प्लेटफॉर्म में, किसी एक्टर को दर्शकों ने अपने दिल में थोड़ी सी भी जगह दी है और आप उस प्लेटफॉर्म को छोटा समझें तो ये तो नाशुकी की बात होगी। मेरे साथ ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। मैं वो एक्टर कहलाना चाहता हूँ, जो मीडियम को महत्व नहीं देता। मैं अपने दर्शकों और खुद के रिश्ते को महत्व देना चाहता हूँ। लोगों को इतना भरोसा होना चाहिए कि अगर ये एक्टर किसी शो में आ रहा है, तो अच्छा ही होगा। रही 4-5 साल के बाद वापसी की तो उसकी वजह एक तो कॉविड था। उस समय में संजीवनी के नाम से 2020 में आखिरी शो कर रहा था। उसके बाद मेरी दुनिया ने ही एक ब्रेक ले लिया था। क्योंकि अपने कॉविड की शुरुआत में ही ब्रेक ले लिया था, तब से अब तक दर्शकों की सोच टीवी शो और फिल्मों को लेकर काफी बदली है। वापसी के बाद आप इस बदलाव को किस तरह देख रहे हैं? ये बदलाव का वक्त है तो अगर देखने के माध्यम बदले हैं तो लोगों का टेस्ट भी बदलता है। जैसे इंटरनेशनल

आज की पीढ़ी को रिश्ते में एडजस्ट करना नहीं सिखाया गया

कॉन्टेंट देखने से भी लोगों की पसंद पर फर्क पड़ा है। मुझे लगता है कि ये जो बदलाव एक दौर है, एक वक्त के बाद जब बदलाव पूरा होने को होगा, तो दर्शक अपनी-अपनी पसंद के हिसाब से सेटल हो जाएंगे, जिसको जो मीडियम पसंद होगा वो उसमें कॉन्टेंट देखेगा। जो दर्शक जैसा शो देखना चाहते हैं उनके लिए वैसा ही कॉन्टेंट बनाया जाएगा। आपने अपने करियर में काफी काम किया है और आज एक बात कही जाती है कि काम के दबाव का असर लोगों के रिलेशनशिप पर भी पड़ रहा है, जिस वजह से रिश्ते बिखर रहे हैं। आपने भी रिलेशनशिप में ऐसा उतार-चढ़ाव देखा है? इस बारे में आप क्या सोचते हैं? जो काम का दबाव रिश्ते पर जरूर पड़ता है। महिलाओं और मर्दों पर अलग-अलग पड़ता है। मर्दों से काम करने की समाज की अपेक्षा एक अलग ही दबाव है जबकि महिलाओं के लिए वो सपने को पूरा करने जैसा है। मैं तो खुद को बड़ा खुशकिस्मत मानता हूँ कि मैं इतने संपन्न परिवार से था कि मैं कह सका मुझे एक्टर बनना है, वरना एक आम लड़के को

15-16 साल की उम्र में ही इस बात का अहसास करा दिया जाता है कि जल्दी घर की जिम्मेदारी उठाने लायक बनें। जो 1950 में देखा जाता था कि शादी के लिए एक लड़के में क्या गुण होने चाहिए, वो ही आज भी देखा जाता है। महिलाओं की स्थिति काफी बदल गई है। आज ये कोई उम्मीद नहीं करता कि आप घर आएंगी तो घर का काम ही करेंगी या बच्चे पालेंगी। वो काम करना चाहें, तो करती हैं। जब एक सोशल बदलाव आता है तो उसमें एक एडजस्टमेंट

की जरूरत होती है। सच्चाई ये है कि उस एडजस्टमेंट के बारे में बच्चों को जागरूक नहीं किया जा रहा, उन्हें उसके बारे में पढ़ाया नहीं जा रहा। जो आपने माता-पिता के जीवन में देखा है, अब वैसा नाहीं होगा। अब जिम्मेदारी कैसे बांटनी है, बच्चे को कैसे पालना है, ये हमें सोचना होगा। इसके लिए आज की पीढ़ी को तैयार नहीं किया गया है, इस वजह से मतभेद बढ़ रहे हैं और समाज का दबाव उस रिश्ते पर असर कर रहा है।

दिल्ली से मुंबई तक का सफर कैसा रहा?

जहां आपकी पैदाइश होती है, जहां आपने बचपन बिताया होता है, उस जगह से थोड़ा ज्यादा लगाव होता ही है। मैंने दिल्ली में सेंट कोलम्बस स्कूल से पूरी पढ़ाई की, जिसे आज के दौर में लोग शाहरुख खान के स्कूल के नाम से जानते हैं। वहां से और भी स्टार्स निकले हैं। हमारे स्कूल में इस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाता था कि लड़कियों के प्रति आपका व्यवहार कितना जेंटलमैन जैसा है। आपकी पर्सनैलिटी कैसी है, इस पर भी जोर दिया जाता था। स्कूल के बाद मैंने फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की। कोर्स के बाद से ही मुझे ऐक्टिंग का शौक लगा था। फिर दिल्ली से मुंबई आ गया। मेरे लिए सबसे अच्छी बात ये रही है कि मुझे कभी स्ट्रगल नहीं करना पड़ा, मुझे आते ही काम मिल गया था।